दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-160 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रविवार 02 अगस्त 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

कुलगाम आतंकी हमले के पीछे लश्कर कमांडर लतीफ का हाथ होने का शक

श्रीनगर(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में प्रवासी मजदूरों पर हुए आतंकी हमले में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) की भूमिका सामने आई है। सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि लश्कर कमांडर लतीफ भट और उसका सहयोगी हालिया लक्षित हमलों के लिए जिम्मेदार है। एजेंसियों का मानना है कि लतीफ के सहयोगी वारिस शाह ने हमलों के लिए रसद संबंधी सहायता और रेकी की थी। बता दें इस हमले में छत्तीसगढ़ के 2 मजदूर मारे गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जांचकर्ता कुलगाम हमले की योजना और क्रियान्वयन की जांच कर रहे हैं। लतीफ की भूमिका पर शक है, जो कुलगाम, शोपियां और अनंतनाग में सक्रिय रहा है। जांच में सामने आया है कि पहले पुलिसकर्मी और अब मजदूरों पर हमले में एके-47 के बजाय छोटी पिस्तौल का इस्तेमाल किया गया।ये तरीका आमतौर पर हाइब्रिड आतंकवादी अपनाते हैं, जो स्थानीय स्तर पर भर्ती किए जाते हैं और हमले के बाद नागरिकों में छिप जाते हैं। अधिकारियों का मानना है कि दोनों हमलों का तरीका एलईटी की शाखा द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) से मिलता जुलता है।एक अधिकारी ने कहा, टीआरएफ के लड़ाके त्वरित पिस्तौल हमलों के लिए जाने जाते हैं और भीड़ में गायब हो जाते हैं। उनके पास न बड़े हथियार होते हैं, न ही वे बड़ी संख्या में आते हैं। इससे वे पकड़ में नहीं आते। इसका उद्देश्य स्पष्ट है- डर फैलाना और संदेश देना कि कश्मीर में स्थिति अभी भी नाजुक है।लतीफ लश्कर का कमांडर है, जो शोपियां मुठभेड़ के बाद सुर्खियों में आया था। वो पहले लश्कर के शीर्ष कमांडर जाकिर गनाई के साथ काम करता था, जो ए++ श्रेणी का आतंकवादी था।

पंजाब में कथित पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन, एबीवीपी ने मांगा शिक्षा मंत्री का इस्तीफा

चंडीगढ़,(आरएनएस)। पंजाब में पेपर लीक के खिलाफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) प्रदर्शन कर रही है। चंडीगढ़ में एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने भगवंत मान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया है। इस दौरान छात्रों ने पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग और जमकर नारेबाजी भी की। प्रदर्शन के दौरान एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने शिक्षा मंत्री बैंस के आवास के बाहर धरना दिया। इस दौरान उनकी पुलिस के साथ झड़प भी हुई।

पंजाब विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष गौरव वीर सिंह सोहल ने कहा, हमें पंजाब के लिए ऐसा भ्रष्ट और नाकाबिल शिक्षा मंत्री नहीं चाहिए। पंजाब के युवा एक काबिल शिक्षा मंत्री चाहते हैं। इस भ्रष्ट आदमी को आज ही इस्तीफा देना चाहिए, क्योंकि उनके कार्यकाल में 6 पेपर लीक हुए।

आंध्र प्रदेश के विजयनगरम ज़िले के भोगपुरम में अल्लूरी सीताराम राजू इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आंध्र प्रदेश के गवर्नर एस. अब्दुल नज़ीर, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण।

साहिबगंज में बंगाल एसटीएफ का छापा, संदिग्ध आतंकी हामिद मंडल की प्रेमिका गिरफ्तार

साहिबगंज (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की पुलिस टीम ने बड़ी कार्रवाई की है. टीम ने संदिग्ध आतंकी हामिद मंडल की गर्लफ्रेंड को बरहड़वा थाना से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है. 22 वर्षीय प्रेमिका अर्पिता सरकार को बरहरवा थाना क्षेत्र के बेबतपुर ग्वालखोर गांव से गिरफ्तार की है. गिरफ्तारी के बाद एसटीएफ की टीम उसे अपने साथ पश्चिम बंगाल लेकर चली गई है.एसटीएफ के अनुसार अर्पिता सरकार पर आरोप है कि वह हामिद मंडल से जुड़े संदिग्ध माड्यूल के संपर्क में थी।

बलराम कृषि महोत्सव किसानों को नई तकनीक और समृद्ध भविष्य से जोड़ने का अभियान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने हरदा में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअली संबोधित किया

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बलराम कृषि महोत्सव केवल एक आयोजन न होकर किसानों को नई तकनीक, वैज्ञानिक खेती और समृद्ध भविष्य से जोड़ने का व्यापक अभियान है। यह किसानों का अपना कार्यक्रम है, किसान इसका अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपनी खेती को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं। मध्यप्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, खेती-किसानी को लाभदायी बनाने और कृषि को आधुनिक स्वरूप देने के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को कृषि उपज मण्डी प्रांगण हरदा में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम को जबलपुर से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भुआणा क्षेत्र की धरती शुरू से ही उपजाऊ रही है। हरदा कृषि क्षेत्र में नम्बर वन है। यहां नर्मदा जी का जल कृषि को और अधिक समृद्ध बनाता है। जिला मूंग, सोयाबीन, गेहूँ के उत्पादन के साथ हरी मिर्च के उत्पादन में भी अग्रणी बन रहा है। जिले के कोने-कोने तक सिंचाई का जल पहुँचाने के लिये कार्य किया जा रहा है। सरकार द्वारा किसानों के हित में 16 विभागों

हरदा जिला कृषि क्षेत्र में नंबर वन

की समन्वित कार्य योजना तैयार कर नियमित फसलों के अलावा दूध, मछली, पशु पालन, फल, सब्जी, मसाले, फूल एवं अन्य कृषि क्षेत्र में बेहतर उत्पादन के लिये कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही प्राकृतिक खेती के अलावा कृषि क्षेत्र में नई-नई तकनीकी भी लाई जा रही है। किसानों को सहकारी समितियों में लेने वाले ऋणों पर ब्याज अब वर्ष में एक बार देना पड़ेगा। सरकार द्वारा जमीन अधिग्रहित किये जाने पर अच्छे आर्थिक मुआवजे की व्यवस्था की गई है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परम्परागत खेती अब गुज़रे ज़माने की बात हो गई है। अब आधुनिक और उन्नत खेती का दौर है। किसान बंधु अपने खेत की मिट्टी की जांच करायें। मिट्टी की उत्पादकता के अनुसार ही फसल लें। बहुत अधिक रायायनिक उर्वरकों का उपयोग करने से बचें, जितनी जल्दी हो सके, प्राकृतिक और जैविक खेती की ओर बढ़ें। फसल विविधीकरण अपनाएं। एक ही किस्म की फसल के स्थान पर एक ही समय में खेत में एकाधिक फसल लें। इससे किसानों के खेतों में नई फसल किस्मों की हरियाली आयेगी, साथ ही आमदनी भी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी त्यौहार हँसी खुशी से मनाये जाएं। साथ ही कावड़ यात्रियों की सुविधा के लिये प्रशासन द्वारा उचित कदम उठाए जाएं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार लगातार किसान कल्याण के लिए महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। किसान अपनी मेहनत और पसीने से धरती से अन्न उगाते हैं और भूखों को अनाज उपलब्ध कराते हैं। किसानों के प्रति हमारी सरकार के मन में अगाध श्रद्धा और सम्मान है। किसान भाइयों को आज एक साथ 4000 रुपए सम्मान निधि के रूप में उनके बैंक खातों में अंतरित किये गए हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने एंटी-पेपर लीक संशोधन बिल को मंजूरी दी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को मंजूरी दे दी है. जिसमें लोक परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक मामलों में आरोपियों के जल्दी सजा दिलाने के लिए हर राज्य में फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने और सजा बढ़ाने का प्रावधान है. शुक्रवार को जारी एक गजट नोटिफिकेशन में, कानून मंत्रालय ने संशोधन विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने की जानकारी दी. एंटी-पेपर लीक कानून में संशोधन के लिए लाए गए विधेयक इस हफ्ते की शुरुआत में संसद के दोनों सदनों में पारित किया गया था.नया कानून लागू होने के बाद, पेपर लीक मामलों की जांच दो महीने के अंदर पूरी होनी है.कानून के अनुसार, पेपर लीक या परीक्षाओं में अनुचित तरीके अपनाने वालों को कम से कम 5 साल और ज्यादा से ज्यादा 10 साल की जेल और 50 लाख रुपये तक का जुर्माना होगा।

मैं इतनी शर्मिंदा हूं कि नजरें भी नहीं उठा पा रही', पीएम मोदी के खिलाफ टिप्पणी करने वाली लड़की ने मांगी माफी

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर देश की राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए विरोध-प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला अब एक नया मोड़ ले चुका है। इस मामले में विवादों में घिरी रूचिका सिंह का एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में वह अपने किए पर भारी पछतावा जताते हुए पूरे देश से माफी मांग रही है। रूचिका का कहना है कि उसने जो भी किया वह माफी के लायक नहीं है, लेकिन इसके साथ ही उसकी उम्र और उसकी पिछली पहचान को लेकर भी कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं, जिसने इस पूरे मामले को और भी उलझा दिया है। सामने आए नए वीडियो में रूचिका सिंह अपने बयानों पर गहरी शर्मिंदगी जताती हुई नजर आ रही है। वीडियो में उसने खुद को महज 15 साल का बताया है। रूचिका ने भावुक होते हुए कहा है कि उसने बहुत सी बुरी बातें कही हैं, जो किसी भी सूरत में माफी के योग्य नहीं हैं।

तहसीन पूनावाला ने नजरबंद किए जाने का दावा किया, ई20 ईंधन के खिलाफ करने वाले थे प्रदर्शन

नईदिल्ली, (आरएनएस)। राजनीतिक विश्लेषक और सामाजिक कार्यकर्ता तहसीन पूनावाला ने दावा किया है कि दिल्ली पुलिस ने उन्हें नजरबंद कर दिया है। वे आज ही ई20 ईंधन के खिलाफ भूख हड़ताल पर बैठने वाले थे। पूनावाला ने अपने घर के दरवाजे पर कई पुलिसकर्मियों की मौजूदगी को दिखाते हुए कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किए हैं। उन्होंने कहा, मुझे दिल्ली पुलिस ने नजरबंद कर दिया है। बिना कोई दस्तावेज या कागज दिखाए। पूनावाला ने सोशल मीडिया पर एक फोटो साझा किया है, जिसमें उनके घर के नीचे पुलिसकर्मी दिखाई दे रहा है। एक वीडियो में वे पुलिसकर्मी से बात कर रहे हैं।एक अन्य फोटो में उनके घर में महिला पुलिसकर्मी बैठी दिख रही है।उन्होंने कहा, दिल्ली पुलिस ने न सिर्फ मुझे गैरकानूनी तौर पर नजरबंद किया, बल्कि महिला पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया है।

खराब मौसम के बीच समुद्र में नाव का इंजन फेल, कोस्टल पुलिस और स्थानीय लोगों ने 17 मछुआरों को बचाया

कोझिकोड, (आरएनएस)। केरल के कोझिकोड जिले में स्थानीय लोगों और तटीय पुलिस ने समुद्र में फंसे 17 मछुआरों को बचाया. दरअसल, वे नाव के इंजन में खराबी आने के चलते बीच समुद्र में फंस गए थे. यह घटना कडालुंडी कप्पलंगडी के पश्चिम में हुई. मछुआरों का ये समूह बेपोर हार्बर से निकला था।

बीच समुद्र में अचानक इंजन फेल होने से यह मुश्किल खड़ी हो गई. राज्य भर में लगातार भारी बारिश और खराब मौसम की वजह से समुद्र में तूफान जैसी स्थिति थी. जैसे ही इंजन ने काम करना बंद किया, नाव का कंट्रोल खो गया और वह बड़ी लहरों में फंस गई. तेज हवाओं और भारी बारिश से नाव पर सवार लोगों में बहुत ज्यादा घबराहट फैल गई.एक बड़ी मुसीबत को टालते हुए, मछुआरों ने मदद के लिए एक डिस्ट्रेस सिग्नल भेजा, क्योंकि उनके कम्युनिकेशन सिस्टम ठीक से काम कर रहे थे. इसलिए वे बिना किसी देरी के अधिकारियों को अलर्ट कर सके.मछुआरों के फंसे होने की जानकारी मिलने पर, कोस्टल पुलिस मौके पर पहुंची. स्थानीय लोगों और इलाके के दूसरे मछुआरों की मदद से रेस्क्यू मिशन को साथ मिलकर अच्छे से किया गया. समय पर कदम उठाने के कारण, नाव पर सवार सभी 17 लोगों को सुरक्षित किनारे पर वापस लाया गया. खराब मौसम की परवाह किए बिना, रेस्क्यू टीमों ने ऑपरेशन तेजी से पूरा किया. हालांकि शुरुआत में बड़ी लहरों ने उनकी कोशिशों में रुकावट डाली।

सीजेआई सूर्यकांत बोले- हर विवाद का अंत कोर्ट नहीं, संतरे की कहानी से समझाया मध्यस्थता का महत्व

जयपुर(आरएनएस)। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि यदि शुरुआत में ही व्यक्ति की वास्तविक जरूरत जान ली जाए तो विवाद ही उत्पन्न नहीं होता. कई बार समाधान अधिकार तय करने में नहीं, बल्कि वास्तविक आवश्यकता समझने में होता है. कानून कभी यह नहीं कहता कि हर विवाद का अंत कोर्ट में ही हो. कानून का उद्देश्य यह तय करना है कि हर नागरिक को सस्ता, सम्मानजनक और सुलभ न्याय मिले. सीजेआई ने यह विचार जयपुर में चल रही पीस मिडिएशन एंड रूल ऑफ लॉ विषय पर आयोजित तीन दिवसीय कांफ्रेंस के दूसरे दिन आयोजित सेशन में रखे.सीजेआई ने एक कहानी सुनाते हुए कहा कि दो बहनें एक ही संतरे के लिए झगड़ा कर रहीं थी. इस दौरान पता चला कि एक बहन को सिर्फ छिलका चाहिए था और दूसरी को उसका रस. मुकदमा यह तय करता है कि संतरे का मालिक कौन है, जबकि मीडिएशन यह जानने का प्रयास करती है कि किसे क्या चाहिए।

अयोध्या के कॉलेज में मचा हड़कंप, एक्स-रे विभाग में मिला बम बनाने से जुड़ा दस्तावेज, जांच जारी

अयोध्या,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में मौजूद राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज से एक सनसनीखेज खबर सामने आई है. यहां पर शनिवार की सुबह कॉलेज के एक्स-रे विभाग की एक दराज में बम बनाने की कथित विधि से जुड़ा एक संदिग्ध दस्तावेज सामने आया है. यह मामला सामने आते ही कॉलेज प्रशासन ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी.

इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस तुरंत जांच में जुट चुकी हैं. रिपोर्ट के अनुसार, यह पूरी घटना शनिवार सुबह करीब आठे के वक्त की है. दरअसल, एक्स-रे विभाग के इंचार्ज सुबह अपनी रूटीन ड्यूटी संभालने को पहुंचे थे. उन्होंने वहां मौजूद एक दराज को खोला, तो उनके होश उड़ गए. दराज के अंदर एक पेपर रखा था. इस पर कथित तौर पर बम बनाने का पूरा तरीका और उसका लेआउट तैयार किया गया था।

इंचार्ज ने बिना किसी देरी के संदिग्ध दस्तावेज की जानकारी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल को दी. इसके मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएमएस डॉ. अरविंद सिंह ने पुलिस को जानकारी दी. जांच और पूछाताछ सामने आया है कि शुक्रवार की पूरी रात एक्स-रे रूम में फर्स्ट ईयर के एक छात्र की डयूटी लगाई थी।इस छात्र का नाम सरफराज बताया गया है. वह यूपी का निवासी है. पुलिस को इस बात की आशंका है कि रात की ड्यूटी के दौरान यह लेआउट इसी छात्र ने तैयार किया।

रास्ते में खत्म हो गई एंबुलेंस की ऑक्सीजन, मां की गोद में तड़प-तड़प कर निकल गई 21 वर्षीय बेटे की जान

मंडला,(आरएनएस)। देश में स्वास्थ्य सुविधाओं के बड़े-बड़े दावों की पोल खोलती एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली घटना मध्य प्रदेश से सामने आई है। कोई भी राज्य या सरकार यह कभी नहीं चाहेगी कि उसकी पहचान ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था से हो, जहां एक बेबस मरीज दम तोड़ दे। लेकिन मंडला जिले में ऐसा ही हुआ है। यहां एक 21 साल के जवान बेटे ने एंबुलेंस में ऑक्सीजन खत्म हो जाने के कारण अपनी ही मां की गोद में तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया। इस घटना ने पूरे प्रशासनिक अमले और एंबुलेंस सेवाओं की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।यह रूह कंपा देने वाला मामला 27 जुलाई का है, लेकिन यह तब सुर्खियों में आया जब 31 जुलाई को इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा। वायरल हो रहे इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे एक मजबूर मां-बाप अपने तड़पते हुए बच्चे को गोद में लिए बैठे हैं। एंबुलेंस के अंदर ऑक्सीजन पूरी तरह से खत्म हो चुकी है और वह नौजवान एक-एक सांस के लिए बुरी तरह छटपटा रहा है। जीवन और मौत के बीच झूलते हुए अंततः उस युवक ने अपनी मां की बांहों में ही हमेशा के लिए आंखें मूंद लीं। इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि मृतक युवक की पहचान अजीत बरैया के रूप में हुई है। वह बम्हनी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सुनेहरा गांव का रहने वाला था। परिजनों के मुताबिक, अजीत की नियमित रूप से डायलिसिस होती थी। जब अचानक उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने लगी, तो घबराए हुए परिवार वालों ने उसे जिला अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस बुलाई। लेकिन किसी को क्या पता था कि जिस एंबुलेंस को वे संजीवनी समझ रहे हैं, रास्ते में उसी की ऑक्सीजन खत्म हो जाएगी।

पुलिस प्रशासन सेवा, संवेदनशीलता और सुशासन के मंत्र के साथ करे काम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर में संभागीय कार्यालय, तिलवारा थाना और पुलिस आवासों का किया लोकार्पण

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पुलिस सेवा, संवेदनशीलता और सुशासन के मंत्र के साथ समर्पित होकर काम करें। यही सच्ची समाज सेवा है, यही जनता की सेवा है। उन्होंने कहा कि देश में जब भी पीपुल्स फ्रेंडली पुलिसिंग की बात आए, तो हमारी संस्कारधानी जबलपुर पुलिस का नाम सबसे पहले आए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिसिंग की बेहतरी के लिए तकनीक के सदुपयोग के सद्परिणाम अब दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि नेशनल ऑटोमेडेट फिंगर प्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (एनएएफआईएस) के माध्यम से 16 लाख से अधिक फिंगर प्रिंट डेटाबेस का उपयोग करके 12 सौ से अधिक पेचीदा मामलों को तत्परता से सुलझाया गया है। उन्होंने कहा कि एनएएफआईएस से अज्ञात मृतकों की पहचान स्थापित करने के मामले में मध्यप्रदेश पूरे देश का पहला राज्य बना है। इसी प्रकार ई-समन प्रणाली के माध्यम से 36 लाख से अधिक समन और वारंट तामील कराए जा चुके हैं। यह प्रणाली देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश ने ही लागू की। मुख्यमंत्री ने बताया कि ई-साक्ष्य पोर्टल पर 2 लाख 30 हजार से अधिक डिजिटल सबूत दर्ज किए जा चुके हैं। एनसीआरपी पोर्टल और 1930 हेल्पलाइन पर आने वाली शिकायतों पर तुरंत ई-जीरो एफआईआर दर्ज करने के मामले में भी हमारा

मध्यप्रदेश देश में अग्रणी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को जबलपुर शहर के तिलवारा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 22.57 करोड़ रूपए की लागत से नवनिर्मित 96 आरक्षक आवास, करीब 3.21 करोड़ रूपए की लागत से नवनिर्मित नवीन संभागीय पुलिस कार्यालय और लगभग 2.80 करोड़ रूपए की लागत से तिलवारा पुलिस स्टेशन के नव निर्मित भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि सायबर सुरक्षा की दिशा में सेफ क्लिक-2.0 देश का सबसे बड़ा जागरूकता अभियान सिद्ध हुआ है।

प्रदेशभर में 8 हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, 1 करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुंच बनाई गई, जबकि डिजिटल माध्यमों से 6 करोड़ से अधिक लोगों तक सुरक्षित इंटरनेट और सायबर सुरक्षा का प्रभावी संदेश पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर शहर के महाराजपुरा में नया थाना बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जबलपुर में उच्च न्यायालय है। पूरे प्रदेश से पुलिसकर्मियों का यहां आवागमन होता रहता है। पुलिसकर्मियों के रूकने के लिए पुलिस बैरक में सुविधा बढ़ाई जाएंगी। यहां रूकने वाले पुलिसकर्मियों को मेस उपयोग करने पर शासकीय नियमों एवं पात्रतानुसार राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सावन का पावन महीना चल रहा है। कावड़िये बड़ी संख्या में आवागमन करेंगे। पुलिस प्रशासन यह सुनिश्चित करें कि कावड़ यात्रियों को किसी भी प्रकार की कठिनाई या यात्रागत परेशानी न होने पाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपराधियों ने जिस तरह से तकनीक का उपयोग करना शुरू कर दिया है, हमारी पुलिस को भी उनके तरीके से ही लड़ना सीखना होगा। इसके लिए प्रदेश के 1 हजार 117 थानों और 693 वरिष्ठ कार्यालयों को डिजिटली एक-दूसरे से जोड़ दिया गया है।

कॉमनवेल्थ गेम्स में मध्यप्रदेश का दमदार प्रदर्शन, यामिनी और अजय बाबू ने जीते रजत पदक

मंत्री श्री सारंग ने वीडियो कॉल पर जूडो खिलाड़ी यामिनी को दी बधाई, खेल नीति के तहत 25-25 लाख रुपये और सरकारी नौकरी की घोषणा

भोपाल (ए.)। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के बीच मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। जूडो में सागर की यामिनी मौर्य और वेटलिफ्टिंग में अजय बाबू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक (सिल्वर मेडल) अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर मध्यप्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय मंच पर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। ऐसे में मध्यप्रदेश के दो खिलाड़ियों का कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतना पूरे प्रदेश के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि यामिनी मौर्य ने 57 किग्रा जूडो में शानदार संघर्ष और तकनीकी कौशल का परिचय देते हुए रजत पदक हासिल किया, वहीं अजय बाबू ने वेट लिफ्टिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सिल्वर मेडल जीतकर प्रदेश और देश का मान बढ़ाया है।मंत्री श्री सारंग ने कहा कि यह सफलता प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी और उन्हें बड़े मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आत्मविश्वास देगी।

मंत्री श्री सारंग ने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी प्रतियोगिताओं में भी मध्यप्रदेश और भारत के खिलाड़ी इसी प्रकार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अधिक से अधिक पदक जीतेंगे।

वीडियो कॉल पर जूडो खिलाड़ी यामिनी को दी बधाई

कॉमनवेल्थ गेम्स में जूडो स्पर्धा में रजत पदक जीतकर मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाने वाली खिलाड़ी यामिनी मौर्य से मंत्री श्री सारंग ने वीडियो कॉल पर उन्हें शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि यामिनी मौर्य की यह सफलता मध्यप्रदेश और देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतने का विश्वास व्यक्त किया।

प्रदेश में "पीएम स्वनिधि पखवाड़ा" हुआ शुरू, 15 अगस्त तक चलेगा

स्वनिधि से समृद्धिः आत्मनिर्भर शहरी मध्यप्रदेश की ओर थीम पर चलाया जाएगा राज्यव्यापी अभियान

PM SVANidhi

भोपाल (ए) । प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (PM SVANidhi) योजना देश के शहरी पथ विक्रेताओं को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने, स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने वाली एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में स्थापित हुई है। योजना के माध्यम से पात्र पथ विक्रेताओं को चरणबद्ध ऋण, डिजिटल वित्तीय सेवाओं तथा UPI-लिंक्ड क्रेडिट कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे लाखों परिवारों की आजीविका सुदृढ़ हुई है।योजना के प्रभाव को और अधिक व्यापक बनाने तथा शेष पात्र पथ विक्रेताओं तक इसकी पहुँच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगरीय विकास एवं आवास विभाग,द्वारा 1 अगस्त से 15 अगस्त 2026 तक विशेष पीएम स्वनिधि पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है।

संकटमोचन हनुमान मंदिर से लक्ष्मणजी का चांदी का मुकुट चोरी

भोपाल में बीजेपी कार्यालय के पास की घटना, आरोपी गिरफ्तार; कांग्रेस ने सरकार को घेरा

भोपाल (ए) । राजधानी भोपाल के एमपी नगर थाना क्षेत्र स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर से भगवान लक्ष्मणजी का चांदी का मुकुट चोरी होने के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। 30 जुलाई की दोपहर हुई इस घटना में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं कांग्रेस ने इसे राजधानी की कानून-व्यवस्था पर सवाल बताते हुए सरकार और पुलिस की कार्यप्रणाली पर निशाना साधा है।

एमपी नगर थाना प्रभारी जय हिंद शर्मा के अनुसार 30 जुलाई को दोपहर करीब 12 बजे मंदिर में पुजारी पूजा-अर्चना कर रहे थे। इसी दौरान दर्शन करने के बहाने एक युवक मंदिर में पहुंचा और भगवान के श्रृंगार के लिए रखा लक्ष्मणजी का चांदी का मुकुट उठाकर जेब में रख लिया। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अगले दिन आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।प्रारंभिक जांच में आरोपी का व्यवहार मानसिक रूप से अस्वस्थ या असामान्य प्रतीत हुआ है। पुलिस के मुताबिक उसके परिजन भी उसके व्यवहार से परेशान बताए जा रहे हैं।

फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है और चोरी गए मुकुट की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।मामले को लेकर कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अभिनव बरौलिया ने सरकार और पुलिस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश कार्यालय के ठीक बगल में स्थित मंदिर में दिनदहाड़े चोरी होना राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उनका कहना है कि यदि वीआईपी क्षेत्र में स्थित मंदिर सुरक्षित नहीं है तो प्रदेश के अन्य हिस्सों की सुरक्षा का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। बरौलिया ने आरोप लगाया कि घटना के बाद मंदिर प्रबंधन से जानकारी और घटनास्थल के दृश्य लेने का प्रयास किया गया, लेकिन सहयोग नहीं मिला। उनके अनुसार मंदिर का दरवाजा नहीं खोला गया और स्पष्ट जानकारी देने से भी परहेज किया गया। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मुकुट की बरामदगी के प्रयास जारी

पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ जारी है। उसके बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है और चोरी हुए चांदी के मुकुट की बरामदगी सहित मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

MP में कमर्शियल LPG सिलेंडर 194 तक सस्ता

भोपाल (निप्र)। देशभर में शनिवार से 19 किलो वाले कमर्शियल LPG सिलेंडर के नए रेट लागू हो गए हैं। मध्य प्रदेश में इसकी कीमत 190 से 194 रुपए तक कम हुई है। भोपाल में अब कमर्शियल सिलेंडर 2743 रुपए में मिलेगा। कीमतों में कमी से होटल, रेस्टॉरेंट और कैटरिंग कारोबार को राहत मिलने की उम्मीद है।

होटल और रेस्टॉरेंट संचालकों का कहना है कि कुछ महीनों में कमर्शियल गैस सिलेंडर महंगा होने से संचालन लागत बढ़ गई थी। इसकी वजह से कई जगह खाने और कैटरिंग सेवाओं की कीमतें भी 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ाई गई थीं। अब सिलेंडर सस्ता होने से आने वाले समय में ग्राहकों को कुछ राहत मिल सकती है।

व्यापारियों के अनुसार, ईरान-अमेरिका तनाव के दौरान कमर्शियल LPG सिलेंडर के दाम में तेज बढ़ोतरी हुई थी। कई शहरों में इसकी कीमत 3300 रुपए से अधिक पहुंच गई थी। युद्ध से पहले 19 किलो वाले सिलेंडर की कीमत करीब 1800 से 2000 रुपए के बीच थी।

भोपाल की जनता को स्वच्छ पानी नहीं मिल रहा, सरकार जवाब दे : जीतू पटवारी

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राजधानी भोपाल की पेयजल व्यवस्था को लेकर प्रदेश सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार राजधानी के लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में पूरी तरह विफल रही है। बड़े तालाब और कोलार जलापूर्ति से जुड़े पानी के नमूनों में फीकल कॉलीफॉर्म बैक्टीरिया मिलने की खबर को उन्होंने बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि यह लाखों नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर लापरवाही है। जीतू पटवारी ने शनिवार को बयान जारी कर दावा किया कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार बड़े तालाब से सप्लाई होने वाले करीब 90 प्रतिशत पानी के नमूनों में सीवेज जनित फीकल कॉलीफॉर्म बैक्टीरिया मिला है, जबकि कोलार जलापूर्ति के लगभग 25 प्रतिशत नमूने भी निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि राजधानी की जलापूर्ति व्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है और सरकार अपनी बुनियादी जिम्मेदारी निभाने में असफल रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार एक ओर सुशासन के दावे करती है, वहीं दूसरी ओर भोपाल के नागरिक दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। यदि समय रहते स्थिति में सुधार नहीं किया गया तो जलजनित बीमारियों का बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। उन्होंने सरकार से पूछा कि राजधानी के नागरिकों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मध्यप्रदेश धर्म अध्यक्ष परिषद के अध्यक्ष आर्च बिशप दुरईराज एसवीडी के नेतृत्व में जबलपुर, ग्वालियर ,इंदौर, उज्जैन, सतना, सागर और झाबुआ के आर्च बिशप ने मुख्यमंत्री निवास पर सौजन्य भेंट की।

भोपाल में आवासीय में कमर्शियल एक्टिविटी 15 दुकान-होटल सील

टैटू शॉप को बंद करने पहुंचा अमला; BJP पार्षद पति की झड़प

भोपाल (निप्र)। भोपाल के अरेरा कॉलोनी, रोहित नगर, बावड़ियाकलां समेत कई इलाकों में आवासीय परिसरों में कमर्शियल एक्टिविटी पर शनिवार से सख्ती शुरू हो गई है। नगर निगम की टीमें सख्त हिदायत दे रही हैं कि वे ऐसा न करें। इससे कई भवनों के बाहर बोर्ड तक लग चुके हैं। इनमें लिखा कि इस भवन में व्यावसायिक गतिविधि बंद कर दी गई है। निगम ने भोपाल में कुल 1018 नोटिस दिए हैं। दोपहर तक 15 से ज्यादा कमर्शियल परिसर को सील किया गया।

दोपहर में निगम अमला वार्ड-52 स्थित बावड़ियाकलां पहुंचा। जहां एक टैटू शॉप को सील करने को लेकर अमले से पार्षद पति रामबाबू पाटीदार की नोंकझोंक हो गई। अमले में शामिल एक कर्मचारी से बहस भी की। जोन प्रभारी नीलेश श्रीवास्तव ने बीचबचाव किया। पाटीदार पूर्व पार्षद भी हैं। जिन्होंने नगर निगम की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे अनुचित बताया। उनका आरोप है कि नगर निगम ने व्यापारियों को रातों-रात नोटिस थमा दिए, जिससे उनमें असमंजस और भय का माहौल बन गया है।

पूर्व पार्षद पाटीदार ने यह भी कहा कि यदि नियमों के तहत कार्रवाई की जानी है तो इसकी शुरुआत पुराने शहर से होनी चाहिए। उनके अनुसार केवल कुछ क्षेत्रों को निशाना बनाना उचित नहीं है और कार्रवाई सभी स्थानों पर समान रूप से होनी चाहिए।

वहीं, नगर निगम के अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में की जा रही है। निगम के अनुसार रहवासी क्षेत्रों में नियमों के विपरीत संचालित व्यावसायिक गतिविधियों के विरुद्ध नियमानुसार नोटिस जारी किए जा रहे हैं। उपायुक्त भुवन गुप्ता ने बताया कि निगम ने कार्रवाई से पहले सभी को नियमानुसार नोटिस दिए थे। कई दुकानदारों ने स्वैच्छा से एक्टिविटी बंद कर दी है। उन्हें आगामी आदेश तक व्यवसाय नहीं करने की बात कही है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई

बता दें कि शहर के कई इलाकों में आवासीय प्रॉपर्टी पर सालों से कमर्शियल गतिविधियां की जा रही हैं। इसे लेकर अरेरा कॉलोनी सहित अनेक आवासीय क्षेत्र के रहवासी आवासीय भूखंडों पर हो रहे व्यावसायिक निर्माण एवं व्यवसायों के विरुद्ध शिकायत कर रहे थे। रहवासी पूर्णेंदु शुक्ला एवं अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका भी दायर की है। इधर, सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले में सख्ती की है। ऐसे में निगम को कार्रवाई करने के लिए मैदान में उतरना पड़ रहा है। नगर निगम ने अरेरा कॉलोनी और बावड़ियाकलां के जिन 19 बड़े शोरूम और रेस्त्रां को 24 घंटे में तालाबंदी का नोटिस दिया था, उन पर शनिवार को ताले डाले जाएंगे। इससे पहले ही कई दुकानों के बाहर बोर्ड लगाए गए हैं।

61 नोटिस और दिए जाएंगे

शनिवार को निगम अरेरा कॉलोनी में 9 और बावड़ियां कला में 10 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर शनिवार को तालाबंदी करेगा। इनमें कई बड़े शोरूम और रेस्त्रां हैं, जिनके कारण ट्रैफिक बाधित होने की शिकायतें मिलती रही हैं। आवासीय प्लॉटों पर व्यावसायिक गतिविधियां बंद कराने की यह कार्रवाई डेढ़ माह पहले शुरू हुई थी।

राहुल गांधी के पुतले पर गोबर पोता, फिर फूंका

भोपाल में VHP-बजरंग दल का उग्र प्रदर्शन; संसद परिसर में विपक्ष के विरोध में मार्च

भोपाल (निप्र)। संसद परिसर में राम मंदिर को लेकर हुए विपक्ष के प्रदर्शन के विरोध में भोपाल में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल का प्रदर्शन उग्र हो गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने पप्पू मियां और 'राहुल गांधी मियां' के नारे लगाए। इसके बाद राहुल गांधी के पुतले के चेहरे पर गोबर पोता गया और पुतला जलाकर विरोध जताया गया। इस दौरान लिंक रोड पर बैरिकेड पार करने की कोशिश कर रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक लिया।संसद में राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर विपक्ष के सांकेतिक प्रदर्शन के विरोध में शनिवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के बैनर तले बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व्यापम चौराहे पर एकत्र हुए। यहां से विरोध मार्च शुरू हुआ, जो लिंक रोड की ओर बढ़ा। पुलिस ने पहले से बैरिकेड लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोकने की व्यवस्था कर रखी थी।मार्च के दौरान कई कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड पार करने का प्रयास किया, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। कुछ देर तक पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की जैसी स्थिति बनी रही, हालांकि पुलिस ने हालात नियंत्रित रखे।प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने राम विरोधी होश में आओ, पप्पू मियां और राहुल गांधी मियां जैसे नारे लगाए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विपक्ष पर भगवान श्रीराम और हिंदू आस्था का अपमान करने का आरोप लगाया। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारियों ने कहा कि संसद परिसर में राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर जिस प्रकार का सांकेतिक प्रदर्शन किया गया, उससे करोड़ों रामभक्तों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि इसी के विरोध में भोपाल में यह प्रदर्शन आयोजित किया गया। गौरतलब है कि संसद के मानसून सत्र के दौरान निर्दलीय सांसद पप्पू यादव साधु के वेश में संसद परिसर पहुंचे थे। विपक्षी सांसदों के साथ उन्होंने राम मंदिर के चढ़ावे में कथित अनियमितताओं को लेकर सांकेतिक प्रदर्शन किया था। विपक्ष ने इसे पारदर्शिता और जांच की मांग से जुड़ा विरोध बताया था, जबकि विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल इसे हिंदू आस्था के अपमान के रूप में देखते हुए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने डुमना नेचर से किया कैच द रेन अभियान का शुभारंभ मियावाकी पद्धति से शहर में ग्यारह लाख पौधे रोपने के कार्य की भी शुरुआत की

"एक पेड़ माँ के नाम" अभियान अंतर्गत किया पौधरोपण वर्षा जल की प्रत्येक बूंद का संरक्षण समय की आवश्यकता : मुख्यमंत्री डॉ यादव

जबलपुर (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि प्रकृति और जल का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। जल ही जीवन का आधार है, इसलिए वर्षा जल की प्रत्येक बूंद का संरक्षण समय की आवश्यकता है। डॉ यादव ने मियावाकी पद्धति को पर्यावरण संरक्षण की एक प्रभावी एवं वैज्ञानिक तकनीक बताते हुये कहा कि इसके माध्यम से कम समय में घने और आत्मनिर्भर वन विकसित किए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने यह विचार आज अपने जबलपुर के प्रवास के दौरान डुमना नेचर पार्क में कैच द रेन अभियान के तहत वर्षा जल संचयन प्रणाली तथा शहर की वायुगुणवत्ता को सुधारने मियावाकी पद्धति से 11 लाख पौधे लगाने के कार्य का शुभारंभ के अवसर पर व्यक्त किये। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह भी मुख्यमंत्री के साथ थे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि नगर निगम जबलपुर द्वारा जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयास अत्यंत सराहनीय है, जो अन्य नगरीय निकायों के लिए

भी प्रेरणास्त्रोत बनेंगे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने और अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। नगर निगम द्वारा आयोजित किये गये इस कार्यक्रम में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, सांसद आशीष दुबे, विधायक अशोक रोहाणी, सुशील कुमार तिवारी इंदु, डॉ अभिलाष पांडे, नीरज सिंह एवं संतोष वरकड़े, मध्यप्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष विनोद गोटिया, जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा गोंटिया, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, भाजपा दिव्यांगजन प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष संदीप रजक, भाजपा के नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर एवं भाजपा के जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) राजकुमार पटेल भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डुमना नेचर पार्क में कैच द रेन अभियान के अंतर्गत वर्षा जल संचयन प्रणाली (रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम) का विधिवत शुभारंभ किया। यह प्रणाली 10 हजार वर्गफुट रूफ एरिया से प्राप्त वर्षा जल का संग्रहण कर 30 फीट गहरे रिचार्ज बोर के माध्यम से भू-जल पुनर्भरण सुनिश्चित करेगी।

सड़क न होने से हाथ ठेले पर निकली बच्ची की अंतिम यात्रा, दलदल में फंसा वाहन, ग्रामीण बोले- रोड नहीं बनी तो आंदोलन करेंगे

जबलपुर (ए.)। जबलपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत रीमा से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। गांव में पक्की सड़क जैसी बुनियादी सुविधा न होने के कारण एक पीड़ित परिवार 11 वर्षीय मृत बच्ची

के शव को 'हाथ ठेले' पर रखकर ले गया। जानकारी के मुताबिक, ग्राम मोठार निवासी रामस्वरूप मरावी की 11 साल की बेटी माया मरावी का इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज जबलपुर में निधन हो गया था। दुखी परिजन बच्ची के शव को एक निजी वाहन से गांव लेकर आ रहे थे। लेकिन गांव पहुंचने से पहले ही कच्चा रास्ता गहरे कीचड़ और दलदल में तब्दील मिला। वाहन कीचड़ में बुरी तरह फंस गया। काफी मशक्कत के बाद जब गाड़ी आगे नहीं बढ़ पाई, तो उसे वापस लौटाना पड़ा। इसके बाद बेबस ग्रामीणों ने बरगी नगर से एक हाथ ठेला मंगवाया और मासूम बच्ची के पार्थिव शरीर को ठेले पर रखकर उसी कीचड़ भरे रास्ते से होते हुए गांव तक पहुंचाया।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि गांव बसने के बाद से लेकर आज तक यहां एक पक्की सड़क तक नहीं बन सकी है। हर बारिश में कच्चा रास्ता दलदल बन जाता है। हालत यह है कि आपातकालीन 108 एम्बुलेंस भी गांव के भीतर आने से बचती है। मरीजों को मुख्य सड़क पर ही उतारकर चली जाती है। इस अमानवीय स्थिति से क्षुब्ध होकर ग्रामीणों ने प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया है।

मंदसौर में एमडी ड्रग्स फैक्ट्री पर पुलिस की दबिश, 300 किलो केमिकल जब्त

मंदसौर, (ए.)। मध्य प्रदेश के जिले की सीतामऊ थाना पुलिस ने ग्राम मानपुरा में एक अवैध एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। शुक्रवार- शनिवार की रात खेत के बीच बने टीनशेड पर दबिश के दौरान पुलिस और तस्करों के बीच 8 से 10 राउंड फायरिंग भी हुई। इस कार्रवाई में 300 किलो से अधिक केमिकल, 110 ग्राम तैयार एमडी ड्रग्स, हाईटेक उपकरण और एक चोरी की स्कॉर्पियो-एन कार जब्त की गई।पुलिस ने शनिवार दोपहर मामले का खुलासा करते हुए बताया कि दबिश के दौरान आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। हालांकि, पुलिस ने मौके से 300 किलो से अधिक केमिकल, 110 ग्राम तैयार एमडी ड्रग्स और इसके निर्माण में इस्तेमाल होने वाले हाईटेक उपकरण जब्त किए। एक बिना नंबर की स्कॉर्पियो-एन कार भी बरामद की गई, जो चोरी की बताई जा रही है।पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मानपुरा-बड़ावदी रोड पर पानी की टंकी के पास स्थित एक खेत में बड़े पैमाने पर एमडी ड्रग्स बनाने की तैयारी चल रही है। इस सूचना के आधार पर एक विशेष टीम ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर देर रात फैक्ट्री पर दबिश दी। पुलिस के मौके पर पहुंचते ही आरोपी स्कॉर्पियो-एन से भागने लगे, लेकिन वाहन खेत में फंस गया। इसके बाद आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षा और आरोपियों को पकड़ने के उद्देश्य से जवाबी फायरिंग की। दोनों ओर से हुई फायरिंग के बीच तीनों आरोपी खेतों के रास्ते फरार होने में सफल रहे। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने करीब 325 किलो से अधिक केमिकल जब्त किया है, जिसमें एमडीसी, एचसीएल और ब्रोमो जैसे रसायन शामिल हैं। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, इन रसायनों से 100 से 150 किलो एमडी ड्रग्स तैयार की जा सकती थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 100 से 150 करोड़ रुपये आंकी जा रही है।

नीट परीक्षा में सफल विद्यार्थियों का राज्यमंत्री पंवार ने किया सम्मान

राजगढ़, (ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में भारतीय जनता युवा मोर्चा, ब्यावरा मंडल द्वारा शनिवार को आयोजित सम्मान समारोह में नीट-2026 क्वालीफाई करने वाले विधानसभा क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का प्रदेश के मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री नारायणसिंह पंवार ने सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता केवल एक परीक्षा पास करने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की सेवा करने की नई जिम्मेदारी की शुरुआत है। समारोह में मंत्री पंवार ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद कर उनकी तैयारी, सफलता के अनुभव, मेडिकल शिक्षा की योजनाओं और भविष्य के लक्ष्यों पर चर्चा की।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, पीएम श्री विद्यालय, कौशल विकास और छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं के माध्यम से युवाओं को बेहतर शिक्षा और अवसर उपलब्ध करा रही है। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार भी मेधावी विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति और उच्च शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाली योजनाएं संचालित कर रही है।

बैतूल-इंदौर मार्ग पर ट्रक ने कार को पीछे से मारी टक्कर, किसान की मौत, बेटी और नवजात से मिलकर लौट रहे थे

बैतूल (आरएनएस.)। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में बेटी और नवजात से मुलाकात कर घर लौट रहे एक किसान की शनिवार को सड़क हादसे में मौत हो गई। बैतूल-इंदौर हाईवे पर खेड़ी के पास अज्ञात ट्रक ने उनकी कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में किसान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ मौजूद साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका इलाज आईसीयू में चल रहा है। मृतक की पहचान शंकर लोखंडे (48) के रूप में हुई है। वहीं, उनके साथी मनोज कनाठे (45) की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, शंकर लोखंडे अपनी बेटी से मिलने बैतूल आए थे। उनकी बेटी नोबल अस्पताल में भर्ती थी, जहां हाल ही में उसने एक बच्चे को जन्म दिया था। बेटी और नवजात से मुलाकात के बाद शंकर अपने साथी मनोज कनाठे के साथ आल्टो कार से अपने गांव गोगामा लौट रहे थे।

मंदसौर में एमडी ड्रग्स फैक्ट्री पर पुलिस की दबिश, 300 किलो केमिकल जब्त

मंदसौर (आरएनएस.)। मध्य प्रदेश के जिले की सीतामऊ थाना पुलिस ने ग्राम मानपुरा में एक अवैध एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। शुक्रवार- शनिवार की रात खेत के बीच बने टीनशेड पर दबिश के दौरान पुलिस और तस्करों के बीच 8 से 10 राउंड फायरिंग भी हुई। इस कार्रवाई में 300 किलो से अधिक केमिकल, 110 ग्राम तैयार एमडी ड्रग्स, हाईटेक उपकरण और एक चोरी की स्कॉर्पियो-एन कार जब्त की गई।पुलिस ने शनिवार दोपहर मामले का खुलासा करते हुए बताया कि दबिश के दौरान आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। हालांकि, पुलिस ने मौके से 300 किलो से अधिक केमिकल, 110 ग्राम तैयार एमडी ड्रग्स और इसके निर्माण में इस्तेमाल होने वाले हाईटेक उपकरण जब्त किए। एक बिना नंबर की स्कॉर्पियो-एन कार भी बरामद की गई, जो चोरी की बताई जा रही है।

केंद्र ने राज्यों को जारी किए 1.09 लाख करोड़ रुपए, पूंजीगत खर्च और विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली(ए)। केंद्र सरकार ने शनिवार को राज्यों की वित्तीय स्थिति मजबूत करने और पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) तथा विकास कार्यों को गति देने के लिए 1,09,019 करोड़ रुपए की अतिरिक्त कर हस्तांतरण राशि जारी की। यह राशि 10 अगस्त को जारी होने वाले नियमित मासिक कर हस्तांतरण से अलग है।सरकार की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि 1 अगस्त को यह अतिरिक्त राशि जारी करना राज्यों की वित्तीय क्षमता को मजबूत करने और उन्हें विकास परियोजनाओं तथा पूंजीगत निवेश में तेजी लाने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इस अतिरिक्त कर हस्तांतरण में उत्तर प्रदेश को सबसे अधिक 19,208 करोड़ रुपए मिले हैं। इसके बाद बिहार को 10,845 करोड़ रुपए, मध्य प्रदेश को 8,010 करोड़ रुपए, पश्चिम बंगाल को 7,866 करोड़ रुपए, महाराष्ट्र को 7,022 करोड़ रुपए और राजस्थान को 6,460 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।इसके अलावा, ओडिशा को 4,819 करोड़ रुपए, आंध्र प्रदेश को 4,597 करोड़ रुपए, कर्नाटक को 4,504 करोड़ रुपए, तमिलनाडु को 4,466 करोड़ रुपए और झारखंड को 3,660 करोड़ रुपए की अतिरिक्त कर हस्तांतरण राशि दी गई है।

इससे पहले भी केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2025 में राज्यों को 1,01,603 करोड़ रुपए की अतिरिक्त कर हस्तांतरण राशि जारी की थी। वह राशि भी नियमित मासिक हस्तांतरण से अलग थी और त्योहारों के मौसम को देखते हुए राज्यों को पूंजीगत खर्च बढ़ाने तथा विकास और कल्याणकारी योजनाओं के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दी गई थी।इसी बीच, कंट्रोलर जनरल ऑफ अकाउंट्स (सीजीए) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 3.1 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पूरे वित्त वर्ष के बजटीय लक्ष्य का 18.2 प्रतिशत है। यह घाटा पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 2.8 लाख करोड़ रुपए की तुलना में अधिक है, जिससे संकेत मिलता है कि सरकार ने राजस्व संग्रह मजबूत रहने के बावजूद खर्च में बढ़ोतरी की है। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2027 के लिए 16.96 लाख करोड़ रुपए का राजकोषीय घाटा निर्धारित किया है, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.3 प्रतिशत है और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण की रणनीति के अनुरूप है। अप्रैल-जून तिमाही के दौरान शुद्ध कर राजस्व भी बढ़कर 6.4 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 5.4 लाख करोड़ रुपए था।इससे स्पष्ट होता है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर संग्रह में मजबूत वृद्धि बनी हुई है।

CBI का अनिल अंबानी की रिलायंस कैपिटल पर बड़ा एक्शन, 1,816 करोड़ रुपए के निवेश घोटाले में मामला दर्ज

नई दिल्ली(ए.)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिलायंस कैपिटल लिमिटेड, उसके पूर्व चेयरमैन अनिल अंबानी, अज्ञात सरकारी अधिकारियों और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ 1,816.22 करोड़ रुपए के कथित ईपीएफओ निवेश घोटाले में एफआईआर दर्ज की है।एजेंसी का आरोप है कि आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और भ्रष्टाचार से जुड़े अपराधों के जरिए 1,007.55 करोड़ रुपए का गलत नुकसान पहुंचाया गया, जबकि इस पर 808.67 करोड़ रुपए की ब्याज देनदारी भी जुड़ गई। सीबीआई के अनुसार, यह एफआईआर श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के तहत आने वाले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 2013 और 2014 के दौरान रिलायंस कैपिटल लिमिटेड ने सिक्योर्ड नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) जारी किए थे, जिनमें ईपीएफओ ने चार पोर्टफोलियो मैनेजरों, जिनमें रिलायंस कैपिटल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड भी शामिल थी, के माध्यम से 2,500 करोड़ रुपए का निवेश किया था। इन एनसीडी की परिपक्वता (मेच्योरिटी) 2023 और 2024 में होनी थी। हालांकि, शिकायत के अनुसार आरोपियों ने कथित तौर पर फर्जी लेनदेन किए और निवेश की गई राशि का दुरुपयोग तथा दूसरी जगह डायवर्ट किया। इसके कारण रिलायंस कैपिटल एनसीडी का भुगतान

(रिडेम्शन) नहीं कर सकी, जिससे ईपीएफओ को कुल 1,816.22 करोड़ रुपए का कथित नुकसान हुआ।

सीबीआई ने कहा कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जांच के दौरान इसमें शामिल सभी लोगों की भूमिका की पहचान की जाएगी, जिनमें सरकारी अधिकारी और निजी व्यक्ति दोनों शामिल हैं। साथ ही कथित आपराधिक साजिश की जांच की जाएगी और निवेश की गई राशि आखिर कहां खर्च की गई, इसका भी पता लगाया जाएगा। जांच एजेंसी ने यह भी याद दिलाया कि इससे पहले भी वह रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम), रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल), रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) और रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड (आरटीएल) के खिलाफ विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की शिकायतों के आधार पर सात एफआईआर दर्ज कर चुकी है। सीबीआई अब तक रिलायंस एडीए समूह से जुड़े मामलों में चार आरोपपत्र (चार्जशीट) दाखिल कर चुकी है और सात आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। एजेंसी ने कहा कि ये सभी मामले अभी जांच के दायरे में हैं और इनकी निगरानी सुप्रीम कोर्ट कर रहा है। सीबीआई ने कहा कि वह इन मामलों की तेज, निष्पक्ष और व्यापक जांच के लिए प्रतिबद्ध है।

JBL के 9 स्पीकर्स और 10200MAH बैटरी वाला MOTOROLA का दमदार टैबलेट लॉन्च, जानें कीमत और ऑफर्स

नई दिल्ली(ए.)। टेक्नोलॉजी की दुनिया में अपने नए और अनोखे गैजेट्स के लिए पहचानी जाने वाली टेक दिग्गज मोटोरोला ने भारतीय बाजार में एक और धांसू दांव खेल दिया है। युवाओं और कंटेंट लवर्स को ध्यान में रखते हुए

कंपनी ने अपनी 'मोटो पैड 70' सीरीज के तहत नया 'Moto Pad 70 Groove' टैबलेट भारत में आधिकारिक तौर पर लॉन्च कर दिया है। इस टैबलेट की सबसे बड़ी खासियत इसके बैक में लगा JBL का 9-यूनिट वाला पावरफुल स्पीकर सिस्टम और दिन-रात साथ निभाने वाली 10,200mAh की विशालकाय बैटरी है। शानदार फीचर्स से लैस यह प्रीमियम टैबलेट ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट पर बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। मोटोरोला के इस नए टैबलेट में 12.1 इंच का 2K LCD डिस्प्ले दिया गया है, जो 2560 × 1600 पिक्सल रेजोल्यूशन और 120Hz रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करता है। स्क्रीन को ब्राइट और प्रीमियम विजुअल एक्सपीरियंस देने के लिए इसमें 800 निट्स की पीक ब्राइटनेस के साथ डॉल्बी विजन और HDRv® का सपोर्ट दिया गया है। परफॉर्मेंस की बात करें तो इसमें मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7400 (MediaTek Dimensity 7400) प्रोसेसर मिलता है, जो 8GB रैम और 256GB इनबिल्ट स्टोरेज के साथ आता है। यह टैबलेट एंड्रॉइड 16 पर आधारित Hello UI पर काम करता है और कंपनी ने इसमें एंड्रॉइड 18 तक सॉफ्टवेयर अपडेट देने का वादा किया है। इसके अलावा इसमें गूगल जेमिनी (Google Gemini), सर्किल टू सर्च (Circle to Search), एआई राइटिंग और स्मार्ट रीडर जैसे कई आधुनिक एआई (AI) फीचर्स भी दिए गए हैं।

ट्रेन में ज्यादा सामान ले जाना हुआ आसान, रेलवे ने शुरू की नई सर्विस

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय रेलवे से सफर करने वाले करोड़ों यात्रियों के लिए एक बेहद शानदार और राहत भरी खबर है। अक्सर ट्रेन यात्रा के दौरान ज्यादा सामान होने पर स्टेशन के लगेज काउंटर पर लंबी लाइनों में लगने की झंझट से अब हमेशा के लिए छुटकारा मिलने वाला है। रेलवे ने यात्रियों की समय की बचत और सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए 'ऑनलाइन एक्सेस लगेज बुकिंग' (E&cess Luggage Booking) की शानदार शुरुआत कर दी है। इस नई पहल के बाद अब आपको स्टेशन पर धक्के खाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि आप अपनी यात्रा शुरू करने से पहले ही घर बैठे अपने मोबाइल या लैपटॉप से अतिरिक्त सामान की बुकिंग बेहद आसानी से कर सकते हैं।

किस क्लास में कितना सामान ले जाना है बिल्कुल फ्री ?

आपको बता दें कि रेलवे ने हर दर्जे (क्लास) के हिसाब से बिना पैसे दिए सामान ले जाने की एक सीमा तय की हुई है। नियमों के अनुसार, अगर आप एसी फर्स्ट क्लास में सफर कर रहे हैं, तो आप 70 किलोग्राम तक का सामान मुफ्त ले जा सकते हैं। वहीं, फर्स्ट क्लास और एसी टू टियर के यात्रियों के लिए यह फ्री लिमिट 50 किलोग्राम तय की गई है। इसके अलावा एसी 3 टियर, एसी चेयर कार और स्लीपर क्लास में यात्रा करने वाले लोग 40 किलोग्राम तक का सामान बिना किसी चार्ज के ले जा सकते हैं, जबकि सेकंड क्लास के यात्रियों को 35 किलोग्राम तक का सामान मुफ्त ले जाने की छूट मिलती है। अगर आपका लगेज इस तय लिमिट को पार करता है, तो आपको अतिरिक्त शुल्क चुकाना पड़ता है।

एक्स्ट्रा सामान पर कितना और कैसे लगता है चार्ज ?

यदि कोई यात्री तय फ्री बैगेज लिमिट से ज्यादा सामान लेकर सफर करता पकड़ा जाता है, तो उसे भारी जुर्माना देना पड़ सकता है। आधिकारिक नियमों के मुताबिक, ऑनलाइन या काउंटर से पहले बुकिंग करने पर एक्स्ट्रा सामान के लिए सामान्य लगेज रेट का 1.5 गुना चार्ज लिया जाता है। इसके लिए रेलवे ने न्यूनतम शुल्क 30 रुपये निर्धारित किया है। आपको बता दें कि यह चार्ज हर 10 किलोग्राम के स्लैब और कम से कम 50 किलोमीटर की दूरी को आधार मानकर तय किया जाता है। ऐसे में यात्रा से पहले ही अपना अतिरिक्त चार्ज चेक करके ऑनलाइन बुकिंग कर लेना एक समझदारी भरा कदम है।

ये है घर बैठे लगेज की ऑनलाइन बुकिंग का पूरा प्रोसेस

इस नई सुविधा का लाभ उठाना बेहद सरल है। इसके लिए सबसे पहले आपको भारतीय रेलवे की 'पार्सल मैनेजमेंट सिस्टम' (PMS) की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा और वहां 'बुक लगेज/एक्सेस लगेज' के विकल्प का चुनाव करना होगा।

अगले कदम में आपको अपना पीएनआर (PNR) नंबर या ट्रेन नंबर, यात्रा की तारीख, बोर्डिंग और गंतव्य स्टेशन जैसी जरूरी जानकारियां भरनी होंगी। साथ ही अतिरिक्त सामान का वजन भी किलोग्राम में दर्ज करना होगा।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

मुद्दे को दलगत रंग

मुद्दा संसदीय गतिरोध नहीं, बल्कि सड़कों पर खड़ा हो रहा गतिरोध है। सरकार को इसे समझने की संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। मुद्दे को दलगत दायरे में समेटने का नजरिया जोखिम भरा साबित हो सकता है।

मुद्दा शिक्षा व्यवस्था से जुड़ा है, लेकिन सरकार ने अपना पक्ष रखने की जिम्मेदारी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री को सौंपी। उधर अपनी प्रेस कांफ्रेंस में जेपी नड्डा ने कॉकरोच आंदोलन की मांगों पर चर्चा करने के बजाय संसदीय गतिरोध दूर करने के लिए विपक्ष के सामने प्रस्ताव रखा। कहा कि नीट और अन्य परीक्षाओं में 'वर्तमान एनडीए एवं पूर्व यूपीए सरकारों के दौरान हुई' पेपर लीक की घटनाओं पर सरकार संसद में पूरी चर्चा के लिए तैयार है। स्पष्टतः इस मुद्दे को उन्होंने दलगत रंग दिया। मतलब सरकार चाहती है कि सड़क पर उठ रहे सवालों को दरकिनार कर सत्ता पक्ष और विपक्ष पेपर लीक एवं परीक्षा व्यवस्था ध्वस्त के प्रश्नों पर आपसी तू तू-मैं मैं का साया डाल दें!

और अगर विपक्ष ऐसा करने के लिए तैयार नहीं होता है, तो संसदीय गतिरोध की जिम्मेदारी उसके माथे पर डाली जाए। बहरहाल, विपक्षी दल इतना तो शायद समझते ही हैं कि युवा मन की उथल-पुथल को नजरअंदाज करना उनके लिए अपनी प्रासंगिकता को दांव पर लगाना होगा। तो विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यह साफ कर दिया है कि कॉकरोच आंदोलन की इन तीन मांगों को मानना गतिरोध तोड़ने की पूर्व शर्त है: शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें, दिल्ली में 20 जुलाई को 'शांतिपूर्ण' प्रदर्शनकारियों पर हुए 'जुल्म' की जवाबदेही तय की जाए, और प्रधानमंत्री छात्रों से माफी मांगें।

देश में युवा असंतोष के इजहार से जिस तरह की सूरत बन रही है, सरकार के लिए इन मांगों को मान लेना बुद्धिमानी की बात होगी। 20 जुलाई को राजधानी में लाठी चार्ज, आंसू गैस और कथित रूप से पैलेट गन के इस्तेमाल की खबरों ने युवा आक्रोश को और भड़काया है। दिल्ली हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की कुछ टिप्पणियों ने मरहम लगाने के बजाय विपरीत प्रतिक्रिया पैदा की है। ऐसे में मुख्य मुद्दा संसदीय गतिरोध नहीं, बल्कि सड़कों पर खड़ा हो रहा गतिरोध है। सरकार को इस स्थिति को समझने की संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। सड़क पर के गतिरोध का समाधान फिलहाल उसकी प्राथमिकता होनी चाहिए। मुद्दे को दलगत दायरे में समेटने का नजरिया जोखिम भरा साबित हो सकता है।

सरकार और भाजपा को हर मोर्चे पर मात

हरिशंकर व्यास

नीट यूजी पेपर लीक के खिलाफ जंतर मंतर पर हुए आंदोलन में सरकार और भाजपा को हर मोर्चे पर मात मिली। पिछले 12 साल में तैयार किया गया उसका कोई भी टूल इस बार काम नहीं आया। तमाम कोशिश के बावजूद सरकार, भाजपा और समर्पित मीडिया मिल कर इस आंदोलन को देशद्रोहियों का या भारत विरोधियों का या अमेरिका, चीन, पाकिस्तान प्रायोजित नहीं बता पाए। क्योंकि छात्रों और युवाओं के आक्रोश की वजहें इतनी ठोस थीं कि वे इस आंदोलन को सरकार विरोधी आंदोलन भी नहीं बता सके। इससे पहले हर आंदोलन में सरकार का अपना एक पक्ष होता था। जैसे किसान आंदोलन के समय भी सरकार का पक्ष था कि जो तीन केंद्रीय कानून बनाए गए हैं वो किसानों के भले के लिए हैं, उनके हित में हैं और देश के हित में भी हैं। लेकिन यह बात वे पेपर लीक के बारे में तो नहीं कह सकते थे कि पेपर लीक छात्रों और देश के हित में है। किसान आंदोलन के समय कहा जा रहा था कि सरकार किसानों के हित में कानून ले आई है लेकिन आढ़तिए या दूसरे हित समूह मिल कर किसानों को गुमराह कर रहे हैं। लेकिन ऐसी कोई बात छात्रों और युवाओं के आंदोलन में नहीं कही जा सकती थी। इसलिए पहले दिन से सरकार बैकफुट पर थी।भाजपा, केंद्र सरकार के इकोसिस्टम और मीडिया ने किसानों के आंदोलन को खालिस्तान से जोड़ दिया था, आंदोलनकारियों को खालिस्तानी और आतंकवादी कहा जा रहा था, उनके आंदोलन में विदेशी हाथ बताया जा रहा था, अंतरराष्ट्रीय सिंगर रिहाना से लेकर युवा आंदोलनकारी ग्रेटा थनबर्ग और दिशा रवि को भारत विरोधी टूलकिट का हिस्सा बताया जा रहा था। उससे पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के खिलाफ हुए प्रदर्शनों और विरोध को सरकार ने घुसपैठियों को बचाने की कवायद बता दिया था। सरकार ने अपने इकोसिस्टम के जरिए यह बात स्थापित कर दी थी कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में हैं और मुस्लिम तुष्टिकरण व वोट बैंक की राजनीति के चक्कर में कांग्रेस व दूसरी विपक्षी पार्टियां एसआईआर का विरोध कर रही हैं।

छात्रों की आत्महत्या से उपजे सवाल माता-पिता और शिक्षक संवेदनशीलता से लें काम

डॉ. चन्दर सोनाने

पिछले दिनों पेपरलीक पर देशभर में हुए छात्रों के हंगामें ने युवाओं की मानसिक दबाव की समस्या को फिर से सतह पर ला दिया है। इस संबंध में प्राप्त आंकड़ें इस संकट की भयावहता को प्रमाणित करते हैं। पिछले एक दशक में छात्रों द्वारा की गई आत्महत्या में 80 प्रतिशत की वृद्धि हो गई है। इस दौरान वर्ष 2014 से 2024 के बीच 1 लाख 23 हजार छात्रों ने आत्महत्या की है। यही नहीं करीब 13 हजार छात्र प्रति वर्ष जान गंवा रहे हैं। इस पर गंभीरता से सोचने, विचारने और चिंतन की आवश्यकता है। एनसीआरबी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 20 प्रतिशत से अधिक आत्महत्या के पीछे का मुख्य कारण यह पाया गया है कि उन बच्चों पर पढ़ाई और परीक्षा का अत्यधिक दबाव था। पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार हर साल परीक्षा में विफलता के 1250 से 2000 के बीच आंकड़ें दर्ज किए गए है। 21 से अधिक अभ्यर्थियों ने तो केवल नीट परीक्षा रद्द होने और पर्चा लीक की घटनाओं के बाद अपनी जान दे दी थी।

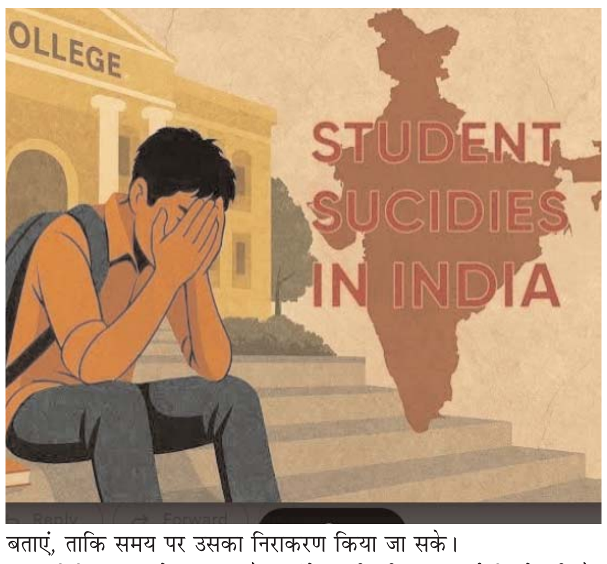

अब सवाल यह उठता है कि छात्रों की आत्महत्या को रोकने के लिए कौन कोशिश करे और क्या प्रयास किए जाए ? निश्चित रूप से सबसे पहली जिम्मेदारी माता-पिता और परिवारजनों की है। यदि किसी कारणवश छात्र तनावग्रस्त है और उसके व्यवहार में परिवर्तन आ रहा है तो इसे ध्यानपूर्वक देखने की पहली जिम्मेदारी छात्रों के माता-पिता की ही है। अब जमाना बदल गया है। इसलिए बच्चे जब स्कूल या कॉलेज पढ़ने जाते है, तो उनसे माता-पिता या परिवार के अन्य सदस्यों को मित्रवत व्यवहार करना चाहिए, ताकि वे अपनी समस्या को खुलकर सबसे पहले अपने परिवारजनों को ही बताएं, ताकि समय पर उसका निराकरण किया जा सके।

निश्चित रूप से स्कूल और कॉलेज की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, उससे इंकार नहीं किया जा सकता। स्कूल प्रबंधक को अपने स्कूल में इस प्रकार का वातावरण निर्मित करने का हर संभव प्रयास करना चाहिए कि छात्र अपनी समस्या शिक्षक को निःसंकोच बता सके और शिक्षक को भी संवेदनशीलता के साथ छात्र की मानसिक स्थिति को समझते हुए उसकी समस्या को दूर करने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। यह तभी संभव हो सकेगा जब छात्र और शिक्षक के बीच सीधा और आत्मीय संबंध हो, यह संबंध डर का बिल्कुल नहीं होना चाहिए। यह संबंध आत्मीयता और स्नेह का होना चाहिए।माता-पिता का परम कर्त्तव्य है कि वे अपने बच्चे को अपनी पसंद का विषय लेने और अधिक अंक लाने के लिए बाध्य नहीं करें। उसे उसकी पसंद का विषय लेने के लिए प्रेरित करें, उसमें वह अधिक रूचि के साथ पढ़ सकेगा और सफलता भी प्राप्त कर सकेगा। इसके साथ ही किसी परीक्षा विशेष में भले ही वह नीट की हो या कोई अन्य कोई प्रतियोगी परीक्षा हो यदि उसका पेपर खराब गया हो और उसे फेल होने का डर हो तो तुरन्त उसे सांत्वना दें और बताएं कि जीवन यहीं समाप्त नहीं हो जाता है। अगली बार और अधिक प्रयास करने से सफलता मिल सकती है। अथवा वर्तमान में अनेक विकल्प है उसे अपने बच्चे की रूचि के अनुसार उसे अपनाने के लिए प्रेरित करें। इससे मानसिक रूप से संबल मिलने से वह शांत हो सकेगा और गलत दिशा में नहीं जायेगा।

छात्र जब भी किसी मानसिक या शारीरिक तकलीफ में हो और जब भी वो माता-पिता या परिवार के अन्य सदस्यों अथवा शिक्षकों से अपनी बात या समस्या को बताता है तो सबकी जिम्मेदारी होती है कि वे उस पर गंभीरतापूर्वक ध्यान दें और बच्चे की बात ध्यान से सुनकर उसके निराकरण का प्रयास करें।

कई बार यह भी होता है कि स्कूल या कॉलेज में कोई छात्र या छात्रा को अन्य कोई छात्र बिना वजह परेशान करें और उसे मानसिक या शारीरिक रूप से क्षति पहुंचाने का प्रयास करें तो सबसे पहले स्कूल प्रबंधन के द्वारा यह व्यवस्था की जानी चाहिए कि शिक्षक छात्र की समस्या को ध्यानपूर्वक सुनें और उसी समय संवेदनशीलता के साथ उसका निराकरण करने का प्रयास करें। ऐसा भी होता है कि किसी छात्र विशेष को मोटा या दुबला पतला होने या चश्मा पहनने, अधिक पढ़ने या कम पढ़ने की बात को लेकर कोई छात्र विशेष या छात्रों के समूह द्वारा छात्र को परेशान किया जाता है, तो बच्चों को पहले से इतना समझा दिया जाना चाहिए कि वह अपनी समस्या को निःसंकोच शिक्षक और माता-पिता को बता दें ताकि अनहोनी के पहले ही उस समस्या का निराकरण किया जा सके। यह भी हो सकता है कि छात्र विशेष को स्कूल या कॉलेज में या बाहर किसी आंदोलन में भाग लेने के कारण व्यक्ति विशेष या किसी राजनीतिक दल विशेष द्वारा परेशान करने का प्रयास किया जाए, तो छात्र डरे नहीं, बल्कि अपने माता-पिता को तुरंत वस्तुस्थिति बताएँ ताकि छात्र को प्रेम और स्नेह से उसकी मानसिक स्थिति से बाहर निकाला जा सके। यही नहीं व्यक्ति विशेष की शिकायत भी पुलिस थाने में करने में हिचक नहीं की जानी चाहिए। केन्द्र शासन और राज्य शासन का भी दायित्व है कि वे स्कूल और कॉलेजो में ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करें कि जब भी कोई छात्र को कोई बेवजह परेशान और हैरान करें तो उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जा सके। ऐसा नियम बनाकर और आदेश जारी कर भी किया जाना चाहिए। जब केन्द्र शासन, राज्य शासन, स्कूल और माता-पिता संयुक्त रूप से छात्र की मानसिक और शारीरिक समस्या को दूर करने का ठोस प्रयास करेंगे तब ही छात्रों की आत्महत्या पर विराम लग सकता है।

खेल में अपनी प्रतिभा को पहचाने और भविष्य संवारें

बस्तर - सरगुजा ओलंपिक सहित राष्ट्रीय खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स से निखरी छत्तीसगढ़ के युवा पीढ़ी की पहचान

तेजबहादुर सिंह भुवाल, सहायक जनसंपर्क अधिकारी

एक समय था जब यह माना जाता था कि केवल पढ़ाई-लिखाई ही उज्ज्वल भविष्य और अच्छी नौकरी का मार्ग है। इसी सोच को दर्शाते हुए कहा जाता था- 'पढ़ोगे-लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे-कूदोगे बनोगे खराब।' लेकिन आज का भारत इस धारणा को पूरी तरह बदल चुका है।

इसलिए आज के दौर में यह कहना उचित नहीं होगा कि केवल पढ़ाई-लिखाई ही सफलता का एकमात्र मार्ग है। यदि किसी में खेल के प्रति जुनून, अनुशासन और समर्पण है, तो वह खेलों के माध्यम से भी अपने सपनों को साकार कर सकता है। शिक्षा और खेल, दोनों मिलकर व्यक्तित्व का समग्र विकास करते हैं तथा जीवन में सफलता के नए द्वार खोलते हैं।

खेल केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास, अनुशासन और सफलता की ऐसी पाठशाला है, जहाँ से भविष्य के विजेता तैयार होते हैं। आज खेलों में करियर की असीम संभावनाएँ हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मान, रोजगार, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक पहचान मिल रही है। ऐसे समय में प्रत्येक युवा के लिए आवश्यक है कि वह अपनी खेल प्रतिभा को पहचाने और उसे सही दिशा देकर अपने भविष्य को संवारे।

हर बच्चे के भीतर कोई न कोई विशेष क्षमता होती है। किसी की गति उसे उत्कृष्ट धावक बनाती है तो किसी की फुर्ती कबड्डी, हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, तीरंदाजी, बैडमिंटन, वॉलीबॉल या अन्य खेलों में सफलता दिला सकती है। यदि प्रतिभा को समय पर प्रशिक्षण और अवसर मिले, तो वही खिलाड़ी प्रदेश और देश का गौरव बनता है।

खेलों का सबसे बड़ा योगदान यह है कि वे जीवन के महत्वपूर्ण गुणों का विकास करते हैं। अनुशासन, धैर्य, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, समय प्रबंधन और संघर्ष का साहस खेल के मैदान में ही सीखा जाता है। यही गुण आगे चलकर जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की नींव रखते हैं।

छत्तीसगढ़ में खेलों को नया स्वरूप देने की दिशा में राज्य शासन ने उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने, ग्रामीण और जनजातीय अंचलों के युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने तथा खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए अनेक पहल की जा रही हैं। प्रदेश में आधुनिक खेल अधोसंरचना का विकास, प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार, खेल अकादमियों को सुदृढ़ करना तथा विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसी के साथ ही इस वर्ष से छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय खेलों इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन किया गया है।

विशेष रूप से बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसी अभिनव पहल ने खेलों को गाँव-गाँव तक पहुँचाया है। इन आयोजनों ने दूरस्थ वनांचलों और जनजातीय क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया है। परंपरागत खेलों के साथ आधुनिक खेलों को भी बढ़ावा देकर हजारों युवाओं, महिलाओं और बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला है। इन प्रतियोगिताओं ने यह साबित किया है कि अवसर मिलने पर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के खिलाड़ी अब राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने की क्षमता रखते हैं।

इसके साथ ही विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं, ग्रामीण खेल आयोजनों, प्रतिभा खोज कार्यक्रमों तथा प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से नई प्रतिभाओं की पहचान की जा रही है। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, सम्मान और विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध कराकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य स्तर पर कई पुरस्कार प्रदान करती है। जिसमे गुंडाधुर सम्मान शामिल है। यह छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण के तहत दिया जाने वाला सर्वोच्च खेल पुरस्कार है। यह पुरस्कार बस्तर के वीर नायक गुंडाधुर की स्मृति में, खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्य के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिया जाता है। दूसरा महाराज प्रवीरचंद भंजदेव के नाम पर है। यह पुरस्कार विशेष रूप से तीरंदाजी के खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। इसी के साथ छत्तीसगढ़ में खेल प्रोत्साहन योजना भी शुरू की गई है, जिससे युवाओं में खेल का अवसर प्राप्त हो सके।

छत्तीसगढ़ के कई ऐसे खिलाड़ी, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है, जो छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। वर्तमान में ज्ञानेश्वरी यादव ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 (ग्लासगो) में महिला 53 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया। अमितेश कुजूर ने राष्ट्रमंडल खेल में बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसी प्रकार अन्य खिलाड़ियों ने भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतकर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है।

आज खेल केवल खिलाड़ी बनने तक सीमित नहीं हैं। खेल प्रशिक्षक, फिटनेस विशेषज्ञ, खेल प्रबंधन, खेल विज्ञान, खेल पत्रकारिता और खेल प्रशासन जैसे अनेक क्षेत्रों में भी युवाओं के लिए रोजगार और करियर के नए अवसर उपलब्ध हैं। इसलिए खेल को अब केवल शौक नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण के प्रभावी माध्यम के रूप में देखा जाना चाहिए। अभिभावकों और शिक्षकों की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे बच्चों की रुचि और क्षमता को पहचानें तथा उन्हें खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। पढ़ाई और खेल एक-दूसरे के पूरक हैं। स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन ही उत्कृष्ट शिक्षा और सफल जीवन का आधार बनते हैं। आज जब डिजिटल दुनिया बच्चों को मैदान से दूर कर रही है, तब आवश्यकता है कि उन्हें फिर से खेल मैदानों की ओर प्रेरित किया जाए। मैदान में बिताया गया समय केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, सोच और नेतृत्व क्षमता को भी मजबूत बनाता है।

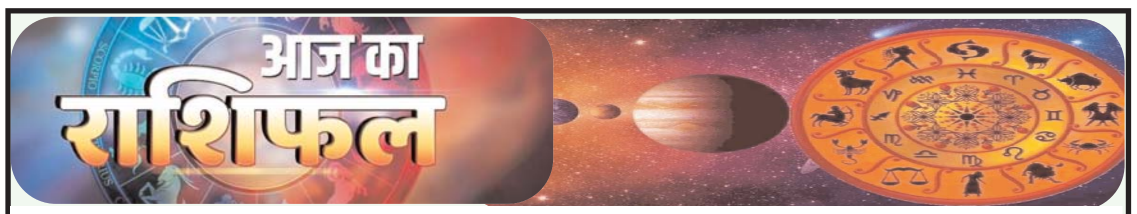

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप कुछ क्रिएटिव करेंगे जिससे आप सेल्फ मोटीवेट होंगे। आज बेवजह की उलझन से दूर आप किसी धार्मिक स्थल पर जायेंगे। आज आप अपने खाली समय में अपनी अच्छाइयों और कमियों के बारे में विचार करेंगे और अपने व्यक्तित्व में जरूर बदलाव लाने का प्रयास करेंगे।

वृष राशि- आज आपका दिन आपके लिए यादगार रहने वाला है। आज आपको रोजगार मिलने के शुभ संकेत है। आज आपको आपके काम में घर के बड़े बुजुर्गों का भरपूर सहयोग मिलेगा। आज आप जो भी काम करेंगे, उसमें सफलता अवश्य मिलेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम और योग पर ध्यान देने की जरूरत है।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज किसी काम में आपको अनुभवी व्यक्ति से मदद मिलने की संभावना है। परिवार वालों के साथ शॉपिंग करने का प्लान बनायेंगे। सीड्स एंड पेस्टिसाइड्स का बिजनेस करने वाले लोगों को आज बढ़िया मुनाफा होगा।

कर्क राशि-आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। बिजनेस के किसी काम से आपको यात्रा करनी पड़ सकती है ये यात्रा आपके निकट भविष्य के लिए काफी लाभदायक रहेगी। रोजमर्रा की जिंदगी में नयापन आ सकता है।

सिंह राशि-आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आज आप अपने ड्रीम प्रोजेक्ट के पूरा होने की खुशी सेलेब्रेट करेंगे। आज किसी करीबी रिश्तेदार की आर्थिक मदद कर सकते है। आज के दिन निवेश करने से बचें और निवेश करने के लिए नई डिजिटल तकनीक आपनाएं लाभ होगा।

कन्या राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपके व्यापार में रोज से ज्यादा लाभ होने की संभावना है। आज पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतें। जल्दबाजी मे आज फैसला करने से बचें धैर्य और संयम से काम लें उचित सफलता मिलेगी।

तुला राशि- आज का दिन फायदेमंद साबित होने वाला है। इस राशि के छात्रों के करियर में नया बदलाव आयेगा, जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। व्यापार में स्थिति आपके अनुकूल रहेगी लाभ के असार है।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से पार्टनरशिप करने पर विचार करेंगे सफलता अवश्य मिलेगी। कारोबार में आज आपको उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है।

धनु राशि- आज का दिन आपके जीवन में खुशियां लेकर आएगा। आज किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होंगी जो आने वाले भविष्य में आपके लिए बहुत ही लाभदायक साबित हो सकता है। बच्चों को करियर के मामले में बड़ी आज खुशखबरी मिलेगी। अपने से बड़ों की बातें ग़ौर से सुनें, भविष्य में आपके लिये फायदेमंद रहेगी।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज आपको अचानक नए स्त्रोतों से हुआ धन लाभ आपकी आर्थिक स्थिति को संतुलित कर देगा। आज आप शाम को किसी व्यक्तिगत समारोह में शामिल हो सकते हैं वहां किसी पुराने मित्र से मिलकर आपका मन प्रसन्न हो जाएगा।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए नई ऊर्जा लेकर आएगा। आज आप सारा दिन खुद को एनरजेटिक फ़ील करेंगे काम मे भी मन लगेगा। किसी मुद्दे को लेकर आपको अपनी बात दूसरों के सामने रखने का मौका मिलेगा, जिसका प्रभाव कुछ लोगों पर साफ दिखेगा।

मीन राशि- आज आपका दिन शानदार रहने वाला है आज पारिवारिक मामलों को लेकर आपको थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। ऑफिस के कार्य समय से पूरे होते रहेंगे। आज बच्चों के साथ आपका समय अच्छा बीतेगा।

एक कैंटीन से उठा सवाल: व्यवस्था का सच आखिर कहाँ है?

[साफ दिखने की कोशिश और सच में साफ होने के बीच की दूरी]

[विश्वास अट्ठानवे प्रतिशत से नहीं, ईमानदार आचरण से अर्जित होता है]

प्रो. आरके जैन अरिजीत

लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना गलती होना नहीं, बल्कि उसे उपलब्धि के प्रमाणपत्र से ढक देना है। जब सच कागजी चमक में छिपने लगे, तब व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। महाराष्ट्र मंत्रालय की कैंटीन इसका प्रतीक बनकर सामने आई। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने स्वच्छता और अनुपालन में अट्ठानवे प्रतिशत अंक दिए और परिसर को मक्खी-कीट मुक्त बताया। रिपोर्ट आदर्श दिखी, लेकिन बॉम्बे हाईकोर्ट के सामने उसकी चमक फीकी पड़ गई। अदालत ने रेटिंग को 'हास्यास्पद' बताते हुए 'एक भी कीट नहीं?' जैसी टिप्पणी की और चार वकीलों की टीम को एफडीए अधिकारियों के साथ जांच के लिए भेजा। यह केवल कैंटीन की कहानी नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का आईना है जहाँ सुधार से अधिक निर्दोष दिखने वाली रिपोर्ट बनाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।सत्ता का आधार उसका नैतिक अधिकार होता है, जो कानून बनाने या आदेश देने से नहीं, बल्कि आचरण से अर्जित होता है। जब शासन दूसरों के लिए कठोर नियम तय करता है, स्वच्छता के नाम पर निजी प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करता है और जवाबदेही सुनिश्चित करता है, तो उससे अपेक्षा होती है कि वह स्वयं भी उन्हीं कसौटियों पर खरा उतरे। लेकिन जब वही व्यवस्था अपनी मंत्रालय की कैंटीन को पूर्णता का प्रमाणपत्र दे और न्यायपालिका उस दावे पर सवाल उठा दे, तो यह दोहरे मापदंड को उजागर करता है। जो व्यवस्था अपनी थाली की सच्चाई नहीं परख सकती, वह समाज की थाली की सुरक्षा का भरोसा कैसे पैदा करेगी? सत्ता की असली स्वच्छता भाषणों में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के आचरण में दिखाई देती है।यह मामला केवल भोजन की गुणवत्ता का नहीं, बल्कि उस प्रशासनिक संस्कृति का प्रतीक है जहाँ अंक और प्रमाणपत्र उपलब्धि पर भारी पड़ने लगे हैं। आज कई क्षेत्रों में मूल्यांकन की चमक, जमीनी सच्चाई से अधिक महत्व पाने लगी है। परीक्षा व्यवस्था की गड़बड़ियाँ हों, आपदा राहत के आंकड़ों और स्थिति में अंतर हो या योजनाओं की सफलता रिपोर्टों में दिखाई दे—हर जगह यही प्रवृत्ति नजर आती है। मंत्रालय की कैंटीन इसका छोटा लेकिन तीखा उदाहरण है। निरीक्षण की सूची पूरी हुई और अंक मिल गए, लेकिन सवाल है कि क्या अंक अनुभव का स्थान ले सकते हैं? लोकतंत्र में सम्मान प्रतिशत से नहीं, भरोसे से मिलता है। जब शासन की घोषणाएँ और जनता का अनुभव अलग दिशा में चलें, तो विश्वास की दूरी बढ़ती जाती है। खाने की सुरक्षा को केवल स्वास्थ्य का विषय मानना इस प्रसंग को सीमित करना होगा। भोजन नागरिक गरिमा और प्रशासनिक संवेदनशीलता से जुड़ा प्रश्न है। मंत्रालय वह स्थान है जहाँ राज्य की दिशा तय होती है, नीतियाँ बनती हैं और जनता के लिए नियम निर्धारित होते हैं। यदि ऐसे स्थान पर सुरक्षा केवल फाइलों में हो और वास्तविकता जानने के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, तो यह व्यवस्था के लिए आत्ममंथन का विषय है।

बॉम्बे हाईकोर्ट की टिप्पणी ने स्पष्ट किया कि एफडीए का व्यवहार निजी और सरकारी प्रतिष्ठानों के प्रति समान व निष्पक्ष होना चाहिए। सत्ता के परिसर भी जांच और जवाबदेही से ऊपर नहीं हो सकते। चाहे मंत्रालय की कैंटीन हो या बड़ा प्रशासनिक निर्णय, जवाबदेही लोकतंत्र की मजबूत नींव है।इस मामले ने निरीक्षण व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े किए हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन का काम केवल अंक देना नहीं, बल्कि वास्तविकता को निष्पक्ष रूप से सामने रखना है। जब किसी सरकारी परिसर को लगभग आदर्श घोषित किया जाए और बाद में उसी दावे पर प्रश्न उठें, तो चिंता केवल एक रिपोर्ट की नहीं, पूरे तंत्र की साख की होती है। निजी संस्थानों पर कठोर मानक और सरकारी प्रतिष्ठानों पर नरम मूल्यांकन समानता के सिद्धांत को कमजोर करते हैं। व्यवस्था जब अपने लिए अलग कसौटी अपनाती है, तो उसकी नैतिक शक्ति घटती है। शासन की असली प्रतिष्ठा प्रमाणपत्रों से नहीं, बल्कि निष्पक्षता, पारदर्शिता और आचरण से बनती है।सुधार का रास्ता केवल नई रेटिंग व्यवस्था बनाने से नहीं, बल्कि उस सोच को बदलने से निकलेगा जो कागजी सफलता को उपलब्धि मान लेती है। निरीक्षण प्रक्रिया में उन लोगों के अनुभव शामिल होने चाहिए, जो प्रतिदिन उस व्यवस्था का हिस्सा होते हैं। कर्मचारी, अधिकारी और भोजन करने वालों की राय को मूल्यांकन का आधार बनाया जाना चाहिए। अचानक निरीक्षण, पारदर्शी रिपोर्ट और सरकारी व निजी संस्थानों के लिए समान नियम ही विश्वास मजबूत कर सकते हैं। परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, डिजिटल मंचों की जवाबदेही या आपदा राहत की जमीनी समीक्षा—हर क्षेत्र में एक सिद्धांत लागू होना चाहिए कि आंकड़ों की चमक से पहले वास्तविकता को महत्व मिले।

18 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात, भोगापुरम हवाई अड्डे का नाम अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर होगा : प्रधानमंत्री मोदी

भोगापुरम,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आंध्र प्रदेश के भोगापुरम में लगभग 18 हजार करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास और शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं स्वर्ण आंध्र और विकसित भारत के संकल्प को नई गति देंगी। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि नव निर्मित भोगापुरम हवाई अड्डे का नाम महान स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखा जाएगा।प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता की जय के उद्घोष और तेलुगु में अंदरिकी नमस्कारम् कहकर की। उन्होंने भगवान श्री वराह लक्ष्मी नरसिंह स्वामी, श्री कूर्मनाथ स्वामी तथा मां पैडितल्ली अम्मवारु को नमन करते हुए कहा कि उत्तर आंध्र की इस पवित्र भूमि पर आना उनके लिए सौभाग्य की बात है।प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का आयोजन केवल विकास परियोजनाओं का शुभारंभ नहीं, बल्कि नया इतिहास रचने का अवसर भी है। उन्होंने 13 हजार से अधिक आदिवासी महिलाओं और बेटियों द्वारा प्रस्तुत धीमसा नृत्य के विश्व रिकॉर्ड की सराहना करते हुए इसे जनजातीय

संस्कृति, अनुशासन और भारत की सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत उदाहरण बताया। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अल्लूरी सीताराम राजू की धरती पर नए हवाई अड्डे का निर्माण उत्तर आंध्र के विकास का नया अध्याय है। उन्होंने कहा कि यह हवाई अड्डा केवल एक परिवहन सुविधा नहीं, बल्कि युवाओं के बेहतर भविष्य और क्षेत्र की आर्थिक प्रगति का रनवे साबित होगा।उन्होंने कहा कि पहले देश में हवाई अड्डों का नाम एक ही परिवार के नाम पर रखा जाता था, लेकिन अब सरकार ने इस परंपरा को बदलते हुए अयोध्या हवाई अड्डे को महर्षि वाल्मीकि तथा अमृतसर हवाई अड्डे को संत रविदास के नाम से जोड़ने जैसी पहल की है। इसी क्रम में भोगापुरम हवाई अड्डे का नाम भी अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखने का निर्णय लिया गया है।प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 तक देश में केवल 74 हवाई अड्डे परिचालन में थे, जबकि आज इनकी संख्या बढ़कर 166 हो गई है। उन्होंने कहा कि उड़ान योजना ने छोटे शहरों और सामान्य परिवारों के लोगों के लिए हवाई यात्रा को सुलभ बनाया है। सरकार ने हाल ही में उड़ान योजना के दूसरे चरण की शुरुआत की है, जिस पर 29 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 : प्रधानमंत्री मोदी ने भाला फेंक में रजत पदक जीतने पर नीरज चोपड़ा को दी बधाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2026 की पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतने पर भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा को हार्दिक बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नीरज ने एक बार फिर अपनी निरंतर उत्कृष्टता, संयम और खेल भावना का परिचय देकर देश का गौरव बढ़ाया है।

प्रधानमंत्री ने अपने बधाई संदेश में कहा कि नीरज चोपड़ा की उपलब्धियां प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का विषय हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर नीरज भारतीय एथलेटिक्स को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहे हैं और देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बने हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने सामाजिक मंच एक्स पर अपने संदेश में लिखा कि ग्लासगो में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में नीरज चोपड़ा ने शानदार रजत पदक जीता। उन्होंने एक बार फिर उल्लेखनीय निरंतरता, संयम और खेल भावना का परिचय दिया है। उनकी सफलताएं प्रत्येक भारतीय को गौरवान्वित करती हैं। उनके भावी प्रयासों के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री ने नीरज चोपड़ा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वे आने वाले अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए भारत को नई सफलताएं दिलाते रहेंगे। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में उनका रजत पदक भारत के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 : जूडो में रजत पदक जीतने पर प्रधानमंत्री मोदी ने यामिनी मौर्य को दी बधाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में जूडो की 57 किलोग्राम भार वर्ग स्पर्धा में रजत पदक जीतने पर भारतीय खिलाड़ी यामिनी मौर्य को हार्दिक बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि प्रतियोगिता में उनका खेल जूडो के प्रति उनके समर्पण और जुनून का उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यामिनी मौर्य ने पूरे आत्मविश्वास और उत्कृष्ट तकनीक के साथ मुकाबला खेला। उनका प्रदर्शन न केवल भारत के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह देश के युवा खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों को जूडो जैसे खेलों में आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित करेगा। प्रधानमंत्री ने सामाजिक मंच एक्स पर अपने संदेश में लिखा, जूडो 57 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतने पर यामिनी मौर्य को बधाई। उन्होंने बहुत अच्छा खेला और उनके प्रदर्शन में जूडो के प्रति उनका जुनून साफ तौर पर झलकता था। उनकी यह उपलब्धि आने वाले समय में कई युवाओं को जूडो की ओर आकर्षित करेगी। भविष्य में उनके प्रयासों के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री ने यामिनी मौर्य के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे आने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी भारत का गौरव बढ़ाती रहेंगी। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में उनका रजत पदक भारतीय जूडो के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

अलका नागिया अरोड़ा बनीं रक्षा लेखा महानियंत्रक, तीन दशक से अधिक के अनुभव के साथ संभाला पदभार

नई दिल्ली (आरएनएस)। इंडियन डिफेंस अकाउंट्स सर्विस (आईडीएएस) की 1991 बैच की वरिष्ठ अधिकारी अलका नांगिया अरोड़ा ने शनिवार को रक्षा लेखा महानियंत्रक (सीजीडीए) का पदभार ग्रहण कर लिया। रक्षा वित्तीय प्रबंधन और सार्वजनिक प्रशासन के क्षेत्र में तीन दशक से अधिक का अनुभव रखने वाली श्रीमती अरोड़ा ने 1 अगस्त 2026 से आधिकारिक रूप से यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली।

गढ़वाल विश्वविद्यालय, देहरादून तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की की पूर्व छात्रा अलका नांगिया अरोड़ा ने भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं। उन्होंने कृषि मंत्रालय के कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डीएआरई) में अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय में संयुक्त सचिव, सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की प्रबंध निदेशक तथा कपड़ा मंत्रालय में हस्तशिल्प के लिए अपर विकास आयुक्त के रूप में कार्य किया है।रक्षा वित्तीय प्रबंधन, सार्वजनिक वित्त, खरीद नीति, कृषि अनुसंधान और हस्तशिल्प संवर्धन जैसे विविध क्षेत्रों में उनके नेतृत्व और प्रशासनिक अनुभव को व्यापक पहचान मिली है। उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) बेंगलुरु तथा इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), मोहाली से उन्नत प्रबंधन एवं नेतृत्व संबंधी प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है।अलका नांगिया अरोड़ा ने अपने प्रशासनिक करियर की शुरुआत कोलकाता स्थित दमदम आयुध निर्माणी में रक्षा मंत्रालय के साथ की थी। इसके बाद उन्होंने रक्षा लेखा विभाग में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए थल सेना, नौसेना और वायुसेना के साथ वित्तीय प्रबंधन एवं लेखा संबंधी जिम्मेदारियां निभाईं।

एविएशन सेक्टर को मिलेगी नई उड़ान, देश में खुलेंगे 11 नए फ्लाइंग स्कूल; 30 हजार पायलटों की जरूरत

नई दिल्ली,(आरएनएस)। देश में तेजी से बढ़ रहे एविएशन सेक्टर की जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। पायलटों की कमी को दूर करने के उद्देश्य से देशभर में 11 नए फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन शुरू किए जाएंगे। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (AAI) ने फरवरी 2026 में जारी ई-टेंडर के तहत सात एयरपोर्ट पर 11 नए एफटीओ स्लॉट की टेंडर प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली है।सिविल एविएशन मंत्रालय के अनुसार, अगले 10 वर्षों में देश को लगभग 30 से 31 हजार अतिरिक्त पायलटों की आवश्यकता होगी। वहीं, अगले पांच वर्षों में भारतीय एयरलाइंस अपने बेड़े में करीब 500 नए विमान शामिल कर सकती हैं। इसके अलावा देश में लगभग 50 नए एयरपोर्ट विकसित होने की भी संभावना है। एविएशन सेक्टर की तेज रफ्तार का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टाटा समूह की एयरलाइन एयर इंडिया अगले 18 महीनों में अपने बेड़े में 50 से 60 नए विमान शामिल करने की तैयारी कर रही है।अप्रैल 2026 तक देश में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त 41 फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन 63 फ्लाइंग बेस से संचालित हो रहे हैं। नए एफटीओ शुरू होने से देश में पायलट प्रशिक्षण की क्षमता बढ़ेगी और भारतीय छात्रों की विदेश जाकर प्रशिक्षण लेने की आवश्यकता भी कम होगी।इन 11 नए एफटीओ में शुरुआती चरण में 60 से 70 प्रशिक्षण विमान शामिल किए जाने की संभावना है।

संसद में 'पुजारी' बनकर बुरे फंसे पप्पू यादव, रामलला के अपमान पर एफआईआर दर्ज; स्पीकर भी हुए सख्त

नई दिल्ली ,,(आरएनएस)। पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव का संसद परिसर में किया गया अनोखा प्रदर्शन अब उनके ही गले की फांस बन गया है। राम मंदिर निर्माण के चंदे में कथित गबन का विरोध जताने के लिए उन्होंने जो 'नुक्कड़ नाटक' किया, उसने एक बड़े सियासी और कानूनी विवाद को जन्म दे दिया है। प्रदर्शन के दौरान भगवान राम की तस्वीर के कथित अपमान और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में पप्पू यादव के खिलाफ दिल्ली के जहांगीरपुरी थाने में पुलिस शिकायत दर्ज कराई गई है। इस पूरे ड्रामे के बाद अब लोकसभा सचिवालय भी सख्त कार्रवाई के मूड में नजर आ रहा है। पप्पू यादव के खिलाफ यह शिकायत सूर्य मैथिल नाम के व्यक्ति ने दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि संसद परिसर के बाहर हुए इस नाटकीय प्रदर्शन में भगवान रामलला विराजमान की तस्वीर को पैरों के नीचे रखा गया, जिससे देशभर के सनातन धर्म प्रेमियों की भावनाएं गहरी तरह से आहत हुई हैं। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि पप्पू यादव के इस विवादित प्रदर्शन को राहुल गांधी, डिंपल यादव और अवधेश प्रसाद सहित 'इंडी' गठबंधन के कई बड़े सांसदों का मूक समर्थन हासिल था।दरअसल, शुक्रवार को विपक्षी सांसदों ने कथित राम मंदिर चंदा चोरी मामले को लेकर संसद परिसर में एक प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान पप्पू यादव पूरी तरह से एक मंदिर के पुजारी की वेशभूषा (भगवा वस्त्र) में नजर आए। उनके हाथ में भगवान राम की तस्वीर थी। इस नुक्कड़ नाटक में अन्य विपक्षी सांसद श्रद्धालुओं की भूमिका निभा रहे थे, जो दान पात्र में पैसे डालते दिखे। वहीं पुजारी बने पप्पू यादव प्रतीकात्मक रूप से उस चंदे के पैसे को अपनी जेब में रखते हुए नजर आए। इस दौरान 'चंदा चोर, गद्दी छोड़' और 'अमित शाह, सदन में आओ' जैसे जोरदार नारे भी लगाए गए। बाद में एक श्रद्धालु बने सपा सांसद ने इस 'गबन' पर आपत्ति जताकर नाटक का समापन किया।

नई दिल्ली में दिल्ली लक्ष्मी योजना पोर्टल के लॉन्च के दौरान महिला लाभार्थियों के साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

घास काटकर लौट रही तीन मासूम बच्चियां उफनती नहर में डूबीं, 12 घंटे बाद मिले शव; गांव में पसरा मातम

कुशीनगर ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां दुबौली गांव के पास एक ही परिवार की तीन मासूम बच्चियों की गहरे पानी में डूबने से खौफनाक मौत हो गई। हंसती-खेलती ये बच्चियां खेत से घास काटकर अपने घर लौट रही थीं, तभी काल ने उन्हें अपने आगोश में ले लिया। इस हृदयविदारक घटना के बाद से पूरे इलाके में कोहराम मचा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। करीब 12 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शनिवार सुबह तीनों बच्चियों के शव बरामद कर लिए गए हैं, जिसके बाद पूरे गांव में मातम का सन्नाटा पसर गया है।

पुलिया पर पैर फिसलने से हुआ दर्दनाक हादसा

जानकारी के मुताबिक, यह घटना स्थानीय थाना क्षेत्र के दुबौली गांव के पास स्थित सिधरिया ड्रेन (नहर) की है। शुक्रवार की शाम गांव के रहने वाले शंभू की दो बेटियां, 10 वर्षीय सपना और 8 वर्षीय छोटी, रंजीत की 12 वर्षीय बेटी कुंचन के साथ खेत गई थीं। तीनों बच्चियां खेत से घास काटकर वापस घर की तरफ आ रही थीं। इसी दौरान बभनौली गांव के पास सिधरिया ड्रेन की पुलिया पर वे कुछ पल आराम करने के लिए रुकीं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि वहां बैठते ही अचानक बच्चियों का संतुलन बिगड़ गया और वे तेज बहाव वाली नहर में जा गिरीं। पानी का बहाव इतना तेज था कि पलक झपकते ही तीनों लहरों में समा गईं।

आंखों के सामने डूबती रहीं बहनें, 10 साल के भाई ने दौड़कर दी खबर

मौत के इस तांडव के वक्त सपना का 10 साल का छोटा भाई कलुआ भी उनके साथ मौजूद था। अपनी बहनों को पानी की तेज धारा में बहता देख वह बुरी तरह घबरा गया। वह बदहवास हालत में रोते-चिल्लाते हुए गांव की तरफ भागा और ग्रामीणों को इस हादसे की जानकारी दी।

आसमान से बरसेगी आफत! दिल्ली-यूपी से लेकर गुजरात तक पूरे देश में अगले 7 दिन भारी बारिश का हाई अलर्ट

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। अगर आप उमस और गर्मी से परेशान हैं या आने वाले दिनों में कहीं बाहर सफर की योजना बना रहे हैं, तो आपके लिए मौसम विभाग का यह ताजा अपडेट जानना बेहद जरूरी है। देश के लगभग हर हिस्से में मानसून अब अपने सबसे खतरनाक और रौद्र रूप में आ चुका है। पश्चिम विदर्भ और उससे सटे दक्षिण मध्य प्रदेश पर बने एक गहरे दबाव (अवदाब) के कारण भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अगले सात दिनों तक पूरे भारत में मूसलाधार बारिश की बड़ी चेतावनी जारी कर दी है। आने वाला एक हफ्ता देश के कई राज्यों के लिए भारी गुजरने वाला है, जहां तेज हवाओं और आसमानी बिजली के साथ झमाझम बारिश का दौर देखने को मिलेगा।

उत्तर भारत में लगातार सात दिन बरसेंगे बदरा

पहाड़ों से लेकर मैदानों तक उत्तर पश्चिम भारत के राज्यों में मौसम का मिजाज पूरी तरह से बिगड़ने वाला है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 31 जुलाई से 6 अगस्त के बीच जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में आंधी-तूफान के साथ व्यापक बारिश होने की पूरी संभावना है। वहीं, मैदानी इलाकों की बात करें तो 31 जुलाई से 5 अगस्त तक दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब में झमाझम बारिश लोगों को भिगोएगी। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में 2 से 6 अगस्त के बीच और पश्चिमी राजस्थान में 2 अगस्त को भारी बरसात और तेज हवाओं का दौर

जारी रहेगा।

गुजरात और महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा खतरा, मध्य भारत भी होगा पानी-पानी

मौसम के इस बदले हुए पैटर्न का सबसे ज्यादा असर पश्चिमी राज्यों पर देखने को मिल रहा है। विदर्भ और मध्य प्रदेश के ऊपर बने वेदर सिस्टम के कारण 31 जुलाई और 1 अगस्त को गुजरात में अलग-अलग जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। मध्य महाराष्ट्र, कोंकण, गोवा और सौराष्ट्र-कच्छ में भी पूरे हफ्ते मूसलाधार बारिश का अनुमान है। मध्य भारत की बात करें तो पश्चिमी और पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ के इलाकों में 6 अगस्त तक आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

पूर्वोत्तर और पूर्वी राज्यों में तेज बारिश का पहरा

पूर्वी भारत के राज्यों में भी मानसून की रफ्तार काफी तेज हो गई है। पश्चिम बंगाल के मैदानी और उप-हिमालयी इलाकों, झारखंड, सिक्किम और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में 6 अगस्त तक झमाझम बारिश होगी। वहीं, बिहार में 1 से 5 अगस्त और ओडिशा में 2 से 5 अगस्त तक भारी बारिश के साथ बिजली कड़कने की चेतावनी है। पूर्वोत्तर की तरफ रुख करें तो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अगले एक हफ्ते तक व्यापक रूप से तेज बरसात होने वाली है, जिससे कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन सकती है। दक्षिण भारत के तटीय इलाकों में भी अलर्ट जारी

दक्षिण भारत के राज्यों को भी फिलहाल बारिश से राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, तटीय कर्नाटक, केरल, माहे और लक्षद्वीप के इलाकों में व्यापक भारी बारिश के साथ आंधी और तेज हवाओं का अलर्ट है। वहीं, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और तेलंगाना में छिटपुट से लेकर व्यापक बारिश का सिलसिला जारी रहेगा।

कुल मिलाकर अगले एक हफ्ते तक पूरा देश मानसूनी बादलों के कड़े पहरे में रहने वाला है, इसलिए मौसम विभाग ने लोगों को जरूरी एहतियात बरतने की सलाह दी है।

वाइस एडमिरल ए. एन. प्रमोद बने नौसेना के नए उप प्रमुख, 36 वर्षों के अनुभव के साथ संभाला दायित्व

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी वाइस एडमिरल ए. एन. प्रमोद, अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम) एवं युद्ध सेवा पदक (वाईएसएम) ने शनिवार को नौसेना के उप प्रमुख (वाइस चीफ ऑफ नेवल स्टाफ) का पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने वाइस एडमिरल तरुण सोबती का स्थान लिया, जो 38 वर्षों से अधिक की विशिष्ट सेवा के बाद 31 जुलाई 2026 को सेवानिवृत्त हुए।

गोवा स्थित भारतीय नौसेना अकादमी के 38वें एकीकृत कैडेट पाठ्यक्रम के पूर्व छात्र वाइस एडमिरल ए. एन. प्रमोद 1 जुलाई 1990 को भारतीय नौसेना में शामिल हुए थे। वे सी किंग एयर ऑपरेशन अधिकारी तथा संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध विशेषज्ञ हैं। उन्होंने वेलिंगटन स्थित रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज तथा गोवा स्थित नौसेना युद्ध महाविद्यालय से उच्च स्तरीय सैन्य प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है।

36 वर्षों का समृद्ध नौसैनिक अनुभव

अपने 36 वर्षों से अधिक लंबे सैन्य करियर में वाइस एडमिरल प्रमोद ने जहाजों, नौसैनिक अड्डों और मुख्यालय स्तर पर अनेक महत्वपूर्ण कमान एवं स्टाफ दायित्व निभाए हैं। उन्होंने निर्देशित प्रक्षेपास्त्र विध्वंसक पोत आईएनएस राजपूत के कार्यकारी अधिकारी, पनडुब्बी रोधी युद्धपोत आईएनएस अभय, लैंडिंग शिप टैंक आईएनएस शार्दुल तथा निर्देशित प्रक्षेपास्त्र फ्रिगेट आईएनएस सतपुड़ा की कमान संभाली।

उन्होंने वर्ष 1999 के ऑपरेशन विजय और वर्ष 2001 के ऑपरेशन पराक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई। इसके अलावा गलवान घटना के बाद ऑपरेशन स्नो लेपर्ड के दौरान पश्चिमी बेड़े के फ्लीट ऑपरेशंस अधिकारी के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई।

मुख्यालय और प्रशिक्षण संस्थानों में भी निभाई अहम भूमिका

तटवर्ती नियुक्तियों के दौरान उन्होंने श्री विजयपुरम स्थित नौसेना वायु स्टेशन आईएनएस उत्क्रोश की कमान संभाली तथा वेलिंगटन स्थित रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज में डायरेक्टिंग स्टाफ के रूप में सेवाएं दीं। नौसेना मुख्यालय में उन्होंने संयुक्त निदेशक (नौसेना वायु), निदेशक तथा प्रधान निदेशक (विमान अधिग्रहण) सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।

वे वर्ष 2006 से 2009 तक सामरिक लेखापरीक्षा समूह तथा वर्ष 2016 से 2019 तक भारतीय नौसेना की सामरिक एवं परिचालन परिषद के सदस्य भी रहे।

नौसेना संचालन महानिदेशक के रूप में निभाई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

रियर एडमिरल बनने के बाद उन्होंने भारतीय नौसेना अकादमी के उप कमांडेंट, नौसेना स्टाफ के सहायक प्रमुख (वायु) तथा महाराष्ट्र नौसेना क्षेत्र के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग के रूप में कार्य किया।वाइस एडमिरल के पद पर पदोन्नति के बाद उन्होंने 13 दिसंबर 2023 से 31 जुलाई 2026 तक नौसेना संचालन महानिदेशक के रूप में सेवाएं दीं। इस दौरान ऑपरेशन सिंदूर के समय भारतीय नौसेना की परिचालन योजना, युद्धक तैयारी और संचालन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही पश्चिम एशिया संकट के दौरान समुद्री सुरक्षा अभियानों के संचालन में भी उन्होंने नेतृत्व प्रदान किया। भारतीय नौसेना में उत्कृष्ट नेतृत्व और उल्लेखनीय सेवाओं के लिए वाइस एडमिरल ए. एन. प्रमोद को वर्ष 2024 में अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम) तथा वर्ष 2025 में युद्ध सेवा पदक (वाईएसएम) से सम्मानित किया गया। नौसेना के उप प्रमुख के रूप में उनकी नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब भारतीय नौसेना समुद्री सुरक्षा, आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

राहुल गांधी को 'अंधभक्त' बनकर घेरने चली थीं प्रोफेसर साहिबा, सरेआम लग गई इंग्लिश ग्रामर की क्लास!

कोलकाता ,(आरएनएस)। सोशल मीडिया एक ऐसा मंच है जहां कब कौन सा दांव उल्टा पड़ जाए, यह कोई नहीं जानता। कई बार इंसान किसी बड़े मुद्दे पर अपनी बात बेबाकी से रखता है, लेकिन चर्चा उस मुद्दे की बजाय किसी और ही बात पर होने लगती है। पश्चिम बंगाल की रहने वाली एक असिस्टेंट प्रोफेसर के साथ भी बिल्कुल ऐसा ही हुआ है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधने के चक्कर में उन्होंने अपनी डिग्रियों का ऐसा बखान किया कि लोग उनके सवाल को छोड़कर उनकी अंग्रेजी का ही पोस्टमार्टम करने लगे। अब आलम यह है कि यह पोस्ट राजनीतिक बहस का कम और इंग्लिश ग्रामर की क्लास का अड्डा ज्यादा बन गया है।

डिग्रियों की लिस्ट गिनाकर राहुल गांधी से पूछा था सवाल

पश्चिम बंगाल की रहने वाली अर्पिता चटर्जी खुद को एक असिस्टेंट प्रोफेसर बताती हैं। उन्होंने माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स (X) पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर तंज कसते हुए एक पोस्ट लिखी थी। अपनी इस पोस्ट में अर्पिता ने अपनी शैक्षणिक योग्यताओं का शानदार जिक्र करते हुए लिखा कि उनके पास अंग्रेजी और एजुकेशन में दो-दो मास्टर डिग्री हैं। उन्होंने बी.एड. किया हुआ है और वह फिलहाल अपनी पीएचडी भी पूरी कर रही हैं। अपनी इन भारी-भरकम डिग्रियों का हवाला देते हुए उन्होंने राहुल गांधी से तीखा सवाल पूछा कि अगर आपके नजरिए से 'अंधभक्त' बेवकूफ होते हैं, तो क्या इतनी पढ़ी-लिखी होने के बावजूद मैं भी बेवकूफ हूं?

सवाल से भटके यूजर्स, निकालने लगे ग्रामर की गलतियां

प्रोफेसर साहिबा को लगा था कि उनका यह कड़क सवाल सोशल मीडिया पर एक नई राजनीतिक बहस छेड़ देगा, लेकिन बाजी पूरी तरह से पलट गई। जैसे ही यह पोस्ट वायरल हुई, नेटिजेंस की नजरें राहुल गांधी पर किए गए तंज से हटकर अर्पिता की अंग्रेजी पर टिक गईं। सोशल मीडिया यूजर्स ने उनकी पोस्ट में एक के बाद एक कई ग्रामर की गलतियां निकालनी शुरू कर दीं।

स्पेन बॉर्डर पर 50 हजार प्रवासियों की घुसपैठ से हाहाकार, 57 लोगों की मौत; सीमा पर भारी तनाव

सेउटा (ए)= उत्तरी अफ्रीका में स्थित स्पेन के छोटे से एन्क्लेव सेउटा (Ceuta) में पिछले कुछ घंटों में एक अभूतपूर्व संकट पैदा हो गया है। महज कुछ ही घंटों के भीतर करीब 50 से 60 हजार प्रवासियों की अचानक हुई घुसपैठ ने न सिर्फ स्पेन बल्कि पूरे यूरोप की नींद उड़ा दी है। सीमा पार करने की इस अंधी दौड़ ने भीषण त्रासदी का रूप ले लिया है, जिसमें अब तक 57 लोगों की मौत हो चुकी है। हालात इतने बेकाबू हो गए हैं कि इटली ने स्पेन के साथ अपनी खुली सीमाएं सील कर दी हैं और अमेरिका ने भी इसे एक अंतरराष्ट्रीय खतरे के रूप में देखा है। हालांकि, स्पेनिश सुरक्षा बलों की सख्ती और सेउटा में खाने-पीने की भारी किल्लत के बाद अब हजारों प्रवासी खुद ही मोरक्को की तरफ वापस लौटने को मजबूर हो गए हैं।

भगदड़ और डूबने से 57 की गई जान, सीमा पर भारी तनाव

स्पेनिश सरकार के प्रतिनिधियों के अनुसार, सेउटा बॉर्डर पर तार की बाड़ और समंदर के रास्ते घुसने की कोशिश में दर्जनों लोगों ने अपनी जान गंवा दी है। स्पेन की सीमा में अब तक 57 शव बरामद किए जा चुके हैं, जिनमें से ज्यादातर की मौत समंदर में डूबने या बॉर्डर की दीवार (ब्रेकवॉटर) पर

चढ़ते समय कुचलने से हुई है। मोरक्को की तरफ भी कैजुअल्टी की भारी आशंका जताई जा रही है। हालात को संभालने के लिए मोरक्को की पुलिस ने दंगा-रोधी उपकरणों के साथ लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। इस दौरान भीड़ के साथ हिंसक झड़प भी हुई, जिसमें जली हुई बस और कारों के अवशेष साफ गवाही दे रहे हैं कि स्थिति कितनी भयानक थी।

यूरोप में पड़ी दरार= इटली ने सस्पेंड किया शेंगेन समझौता

इस अकल्पनीय घुसपैठ ने पूरे यूरोपीय संघ (श्व) में एक बड़ी बहस और कूटनीतिक दरार पैदा कर दी है। इटली ने कड़ा कदम उठाते हुए स्पेन के साथ बिना बॉर्डर चेकिंग वाले 'शेंगेन समझौते' को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसका सीधा असर दोनों देशों के बीच हवाई और समुद्री यात्रा करने वालों पर पड़ेगा। स्पेन ने इटली के इस कदम को कड़ा ऐतराज जताते हुए यूरोपीय संघ की संधियों का उल्लंघन बताया है। वहीं, फ्रांस के गृह मंत्री ने भी शनिवार तक स्पेनिश सीमा पर पुलिस की तैनाती पांच गुना बढ़ाने और ट्रेनों व हवाई निगरानी को सख्त करने का ऐलान कर दिया है।

स्पेनिश पीएम का दौरा, ट्रंप और राइट-विंग ने बोला तीखा हमला

स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने शुक्रवार को हालात का जायजा लेने के लिए सेउटा का दौरा किया, जहां उन्हें प्रदर्शनकारियों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। उन्होंने इस मास-क्रॉसिंग को स्पेन की संप्रभुता का उल्लंघन बताते हुए मोरक्को के सहयोग से प्रवासियों को वापस भेजने की प्रक्रिया तेज कर दी है।

ब्रॉड पीक अभियान के दौरान हिमस्खलन में नेपाल के प्रसिद्ध पर्वतारोही निर्मल पुर्जा का निधन

काठमांडू, (ए)=प्रसिद्ध नेपाली पर्वतारोही निर्मल पुर्जा (निम्स) के पाकिस्तान स्थित ब्रॉड पीक अभियान के दौरान हिमस्खलन में लापता होने के बाद उनके निधन की आधिकारिक पुष्टि हो गई है। एलीट एक्सपेड ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर जारी बयान के माध्यम से इसकी पुष्टि की है।निर्मल पुर्जा 10 सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोहण दल का नेतृत्व कर रहे थे। गुरुवार को दल कैंप-2 से कैंप-3 की ओर बढ़ रहा था, तभी हिमस्खलन की चपेट में आ गया। घटना के तुरंत बाद टीम से संपर्क टूट गया था।अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान के अनुसार अभियान दल में पाँच नेपाली पर्वतारोहियों के अलावा पाकिस्तान, ओमान, अमेरिका और चीन के एक-एक पर्वतारोही तथा एक अन्य अंतरराष्ट्रीय सदस्य शामिल थे।

लगातार बारिश से नेपाल के कई प्रमुख राजमार्ग बाधित, भूस्खलन और कटान से यातायात प्रभावित

काठमांडू, (ए)=। लगातार हो रही बारिश, भूस्खलन, बाढ़ और सड़क कटान के कारण नेपाल के कई प्रमुख राजमार्गों और सड़क खंडों पर यातायात प्रभावित हो गया है।नेपाल पुलिस द्वारा शनिवार सुबह जारी यातायात अपडेट के अनुसार, कई सड़कें पूरी तरह अवरुद्ध हो गई हैं, जबकि संवेदनशील मार्गों पर रात के समय वाहनों के संचालन पर भी रोक लगा दी गई है।संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए काभ्रेपलाञ्चोक और सिंधुली को जोड़ने वाले बीपी राजमार्ग के खुरकोट-नेपालथोक-कटुन्जेबेसी खंड पर शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक सभी प्रकार के वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध लगाया गया है।इसी तरह, कांति लोकपथ पर भी शाम 5 बजे से सुबह 5 बजे तक वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। वहीं, लगातार बारिश के कारण सड़क कीचड़युक्त हो जाने से इलाम नगरपालिका स्थित मेची राजमार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। सिंधुपालचोक जिले की भोटेकोशी नगरपालिका के जिरोकिलो और कोदारी क्षेत्र में भूस्खलन के कारण अरनिको राजमार्ग भी पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है।

कीव पर रूस का भीषण मिसाइल-ड्रोन हमला, 3 की मौत; यूक्रेन ने फिर मांगी पैट्रियट रक्षा प्रणाली

कीव/मॉस्को (ए)= रूस ने शुक्रवार देर रात से शनिवार तड़के तक यूक्रेन की राजधानी कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से बड़ा हमला किया। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, इस हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं।

कई रिहायशी इमारतों और गोदामों को भी भारी नुकसान पहुंचा है।कीव के मेयर विताली क्लिचको ने बताया कि सोलोमियांस्की जिले में पांच मंजिला एक रिहायशी इमारत पर मलबा गिरने से भारी क्षति हुई है। इमारत के भीतर कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। वहीं, इमारत के आंगन में आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए।उन्होंने बताया कि शेवचेंकिव्स्की जिले की एक अन्य रिहायशी इमारत की पहली और दूसरी मंजिल का हिस्सा भी ढह गया है। यहां भी लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। इसके अलावा डारनित्स्की जिले में कई गोदामों में आग लगने की सूचना है।रूसी हमलों के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने एक बार फिर अमेरिका और पश्चिमी सहयोगी देशों से पैट्रियट एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली उपलब्ध कराने की अपील की है।

अमेरिकी एफ 35बी स्टील्थ फाइटर जेट कैलिफ़ोर्निया में दुर्घटनाग्रस्त

कैलिफ़ोर्निया,(ए)=। अमेरिका के कैलिफ़ोर्निया स्थित मरीन कॉर्प्स एयर स्टेशन मिरामार में शुक्रवार को अमेरिकी मरीन कॉर्प्स का अत्याधुनिक एफ 35बी स्टील्थ फाइटर जेट दुर्घटनाग्रस्त होकर पूरी तरह नष्ट हो गया। हादसे से पहले पायलट सुरक्षित रूप से निकल गया।रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) के मुताबिक स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10 बजे हुए इस हादसे के बाद विमान में भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही आपातकालीन सेवाएं और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। अमेरिकी सेना ने इस घटना को 卐क्लास ए卐 श्रेणी की दुर्घटना बताया, जिसे सबसे गंभीर सैन्य विमान हादसों में गिना जाता है। अमेरिकी मरीन कॉर्प्स के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त विमान थर्ड मरीन एयरक्राफ्ट विंग के मरीन एयरक्राफ्ट ग्रुप-11 का हिस्सा था। पायलट को एहतियात के तौर पर स्थानीय मेडिकल सेंटर ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई गई है। अधिकारियों के अनुसार, उसे गंभीर या जानलेवा

चोटें नहीं आई हैं।घटनास्थल से सामने आए वीडियो और तस्वीरों में रनवे के पास विमान का मलबा धू-धू कर जलता दिखाई दिया। हादसे के बाद उठे घने काले धुएं का गुबार दूर तक देखा गया। विमान के गिरने से आसपास की झाड़ियों और वनस्पति में भी आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए सैन डिएगो फायर डिपार्टमेंट को अभियान चलाना पड़ा। आग पर काबू पाने के लिए फायर रिटार्डेंट का भी इस्तेमाल किया गया। राहत की बात यह रही कि जमीन पर मौजूद किसी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है।फिलहाल दुर्घटना के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है। अमेरिकी सेना ने मामले की जांच शुरू कर दी है।एफ35बी पांचवीं पीढ़ी का अत्याधुनिक स्टील्थ जॉइंट स्ट्राइक फाइटर है, जिसे कम दूरी से उड़ान भरने और वर्टिकल लैंडिंग (सीधे ऊपर-नीचे उतरने) की क्षमता के लिए जाना जाता है। इसका संचालन मुख्य रूप से अमेरिकी मरीन कॉर्प्स करती है। इस विमान की अनुमानित कीमत करीब 109 मिलियन डॉलर (लगभग 900 करोड़ रुपये) बताई जाती है।

ब्रॉड पीक पर हिमस्खलन = आठ पर्वतारोहियों के शव बरामद, दो अब भी लापता

गिलगित, (ए)=।। पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान स्थित दुनिया की 12वीं सबसे ऊंची चोटी ब्रॉड पीक (8,051 मीटर) पर आए भीषण हिमस्खलन में लापता हुए अभियान दल के आठ पर्वतारोहियों की मौत की पुष्टि हो गई है। बचाव दल ने उनके शव बरामद कर लिए हैं, जबकि दो पर्वतारोही अब भी लापता हैं। खराब मौसम के बीच खोज और बचाव अभियान लगातार जारी है।पाकिस्तान की उर्दू टेलीविज़न चैनल दुनिया न्यूज़ ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि, हादसा गुरुवार दोपहर उस समय हुआ जब 10 सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय अभियान दल शिखर की ओर बढ़ रहा था। पाकिस्तान सेना के हेलीकॉप्टरों, ज़मीनी बचाव टीमों और हाई-एल्टीट्यूड रेस्क्यू कर्मियों की मदद से बड़े स्तर पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है।अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान (एसीपी) ने बताया कि अब तक बरामद शवों में से चार की पहचान हो चुकी है। मृतकों में ओमान की पर्वतारोही नाधिरा अहमद अब्दुल्ला अल हारथी और नेपाल के पर्वतारोही पुर बहादुर गुरुंग शामिल हैं।

फीचर

ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में मोनालिसा का बोल्ड अंदाज, फ्लोरल टियारा ने लूटी महफिल

भोजपुरी सिनेमा से लेकर टीवी जगत तक अपनी बोल्डनेस और बेहतरीन अदाकारी से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नया फोटोशूट शेयर किया है, जिसमें उनका बेहद ग्लैमरस और बोल्ड अवतार देखने को मिल रहा है।

मोनालिसा ने इस फोटोशूट के लिए एक बेहद हॉट लिटिल ब्लैक ड्रेस को चुना है। उनकी यह ड्रेस मिनी बॉडीकॉन स्टाइल में है, जिसमें नेकलाइन और वेस्ट एरिया पर ट्रांसपेरेंट मेश फैब्रिक का इस्तेमाल किया गया है। यह डीप-नेक मेश आउटफिट मोनालिसा के कर्वी और परफेक्ट फिगर को बेहद खूबसूरती से उभार रहा है, जो उनके लुक में बोल्डनेस का तड़का लगा रहा है।तस्वीरों में मोनालिसा एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। कभी वे अपने दोनों हाथों को बालों पर रखकर सिजलिंग पोज दे रही हैं, तो कभी दीवार और चेयर के सहारे टिककर उनके कातिलाना एक्सप्रेशंस फैंस को दीवाना बना रहे हैं।मोनालिसा ने अपने इस ग्लैम लुक को कम्प्लीट करने के लिए बालों को मिडिल पार्टिंग के साथ सॉफ्ट कर्ल्स देकर खुला छोड़ा है। कुछ तस्वीरों में वे अपने सिर पर लाल गुलाब के फूलों से बना एक खूबसूरत फ्लोरल टियारा पहने नजर आ रही हैं। डार्क मैरून लिपस्टिक, वेल-शेप्ड आईब्रो और मिनिमल मेकअप मोनालिसा के फेशियल फीचर्स को परफेक्टली हाइलाइट कर रहा है। मोनालिसा का यह लेटेस्ट ब्लैक मेश ड्रेस लुक इंटरनेट पर जमकर ट्रेंड कर रहा है।

आरजे महवश रागिनी एमएमएस 3 की स्टार कास्ट में हुई शामिल, जानिए कब रिलीज होगी फिल्म?

रेडियो जॉकी महवाश अब हॉरर-कॉमेडी की दुनिया में कदम रख रही हैं। वह रागिनी एमएमएस 3 फिल्म का हिस्सा बन गई हैं, जिसमें उनके साथ आयुष शर्मा, जुनैद खान, तमन्ना भाटिया और नजर आने वाले हैं।

फिल्म को शशांक घोष निर्देशित कर रहे हैं और इसे एक थ्रिलर बताया जा रहा है। वैसे तो फिल्म की शूटिंग पहले से ही शुरू हो चुकी थी, लेकिन अब महवाश भी सेट पर पहुंच गई हैं और उन्होंने अपना काम शुरू कर दिया है।

इस बार रागिनी एमएमएस की तीसरी कड़ी में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। फिल्म अब सिर्फ डरावनी थीम तक ही सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसमें अलौकिक घटनाओं पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा।

निर्देशक साहिर रजा के प्रोजेक्ट से हटने के बाद अब फिल्म का निर्देशन शशांक घोष संभाल रहे हैं। खबर है कि नरगिस फाखरी इस फिल्म में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाएंगी। निर्माताओं का मानना है कि यह नयापन दर्शकों को पसंद आएगा। रागिनी एमएमएस 3 इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

गिंगम प्रिंट वाली स्कर्ट फिर चलन में आई, जानिए स्टाइल करने के 5 सुझाव

गिंगम प्रिंट एक ऐसा कपड़ा है, जो हमेशा से ही फैशन में रहा है। यह प्रिंट अपनी खास डिजाइन और रंगों के कारण महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय है। गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को पहनकर आप न केवल आरामदायक महसूस करेंगी, बल्कि स्टाइलिश भी नजर आएंगे। आइए आज हम आपको गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को अलग-अलग तरीकों से पहनने के कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं, जो आपके लुक को खास बना देगा।

टी-शर्ट के साथ करें मेल

गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को टी-शर्ट के साथ पहनना एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। आप अपनी पसंदीदा रंग की टी-शर्ट को गिंगम प्रिंट की स्कर्ट के साथ पहन सकती हैं।यह मेल न केवल आपको आरामदायक महसूस कराएगा, बल्कि आपको एक स्मार्ट लुक भी देगा। अगर आपकी स्कर्ट हल्के रंग की है तो गहरे रंग की टी-शर्ट चुनें और इसके विपरीत भी।इससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

जैकेट के साथ बनाएं स्टाइलिश लुक

अगर आप अपने गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को थोड़ा औपचारिक टच देना चाहती हैं तो उसके ऊपर एक अच्छी फिटिंग वाली जैकेट पहन सकती हैं।यह मेल ऑफिस मीटिंग या किसी विशेष अवसर पर जाने के लिए सही है। जैकेट आपके लुक को पेशेवर और आकर्षक बनाएगी, जिससे आप हर जगह अलग दिखेंगी।इसके साथ एक साधारण ब्लाउज या शर्ट पहनें और हल्के गहनों का उपयोग करें. ताकि आपका लुक संतुलित और मनोहर लगे।

स्नीकर्स के साथ बनाएं रोजमर्रा का लुक

गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को स्नीकर्स के साथ पहनना एक रोजमर्रा और आरामदायक तरीका हो सकता है। यह लुक खासकर तब अच्छा लगता है जब आप किसी शॉपिंग या दोस्तों के साथ बाहर घूमने जा रही हों।इसके अलावा यह आपके रोजमर्रा के कामों में भी सहायक रहेगा। स्नीकर्स के साथ गिंगम प्रिंट की स्कर्ट पहनकर आप न केवल आरामदायक महसूस करेंगी, बल्कि स्टाइलिश भी दिखेंगी।इसके साथ आप हील भी पहन सकती हैं।

बेल्ट लगाएं

अगर आपकी गिंगम प्रिंट की स्कर्ट ढीली है तो उसमें बेल्ट लगाकर उसे स्टाइलिश बनाया जा सकता है। बेल्ट आपकी कमर को हाइलाइट करेगी और लुक को खास बनाएगी।इसके अलावा यह आपके पूरे लुक को एक नया आयाम देगा। बेल्ट चुनते समय ध्यान रखें कि वह आपकी स्कर्ट के रंग या प्रिंट से मेल खाती हो, ताकि आपका लुक संतुलित और मनोहर

लगे।इस तरह आप आसानी से अपने गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को नया अंदाज दे सकती हैं।

बूट्स के साथ बनाएं सर्दियों वाला लुक

सर्दियों में गिंगम प्रिंट वाली स्कर्ट के साथ बूट्स पहनना एक बेहतरीन तरीका हो सकता है, जिससे लंबाई भी बढ़ सकती है।ऊंची हील वाले बूट्स आपके लुक को और भी खास बनाएंगे और आपको ठंड से भी बचाएंगे।

इसके अलावा आप इस मेल को किसी पार्टी या खास मौके पर भी पहन सकती हैं।बूट्स और गिंगम प्रिंट की स्कर्ट का यह मेल आपको स्टाइलिश और आरामदायक दोनों महसूस कराएगा।

क्या कम ब्लड प्रेशर से चक्कर आने पर कॉफी पीना सही है? जानें सच्चाई

कम ब्लड प्रेशर एक ऐसी स्थिति है, जिसमें रक्तचाप सामान्य से कम होता है। इसे हाइपोटेंशन भी कहा जाता है। इससे चक्कर आना, कमजोरी महसूस होना और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई लोग मानते हैं कि कॉफी पीने से रक्तचाप बढ़ता है और इससे चक्कर कम हो सकते हैं। आइए जानते हैं कि क्या वाकई कॉफी पीने से कम ब्लड प्रेशर के कारण चक्कर आने की समस्या ठीक हो सकते हैं या नहीं।

कॉफी में मौजूद कैफीन का असर

कॉफी में मौजूद कैफीन एक तरह का उत्तेजक होता है, जो थोड़े समय के लिए रक्तचाप को बढ़ा सकता है।

यह सच है कि कुछ समय के लिए कॉफी पीने से आपका रक्तचाप थोड़ा बढ़ सकता है, लेकिन यह असर बहुत ही अस्थायी होता है।इसके बाद आपका रक्तचाप फिर से सामान्य हो जाता है। इसलिए, यह कहना गलत होगा कि कॉफी हमेशा के लिए आपका रक्तचाप स्थायी रूप से बढ़ा देती है।

सेहत पर पड़ सकता है असर

कॉफी का ज्यादा सेवन सेहत पर असर डाल सकता है। इससे नींद की गुणवत्ता खराब हो सकती है, दिल की धड़कन

तेज हो सकती है और पेट में जलन हो सकती है।इसलिए, कम ब्लड प्रेशर वाले लोगों को सीमित मात्रा में ही कॉफी का सेवन करना चाहिए। अगर आपको नियमित रूप से चक्कर आते हैं तो डॉक्टर से संपर्क करें और सही उपचार करवाएं।कॉफी का सेवन सिर्फ थोड़ी देर के लिए राहत दे सकता है।

संतुलित डाइट का महत्व

कम ब्लड प्रेशर वाले लोगों के लिए संतुलित डाइट लेना जरूरी है। हरी सब्जियां, फल, मेवे और प्रोटीन युक्त खाने की चीजें आपके लिए फायदेमंद हो सकती हैं।

ये पोषक तत्व आपके शरीर को ऊर्जा देते हैं और रक्तचाप को स्थिर रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा पानी पीना भी जरूरी है, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो और थकान और चक्कर जैसी समस्याओं से बचा जा सके।

संतुलित डाइट से आपकी सेहत अच्छी बनी रहती है।

अन्य उपाय

अगर आपको कम ब्लड प्रेशर की समस्या अक्सर होती है तो आपको केवल कॉफी पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। बेहतर यही होगा कि आप डॉक्टर से परामर्श करें और उनकी बताई डाइट लें, दवाइयां खाएं और सलाह का पालन करें।इसके अलावा आप ज्यादा कम ब्लड प्रेशर महसूस होने पर तुरंत नमक और चीनी का घोल बनाकर पी सकते हैं या कुछ नमक वाला स्नैक खा सकते हैं।कॉफी इसका इलाज नहीं है, लेकिन कुछ आराम दे सकती है।

प्रथम मुख्यमंत्री पं.रविशंकर शुक्ल की जयन्ती 2 अगस्त को

रायपुर, (आरएनएस)। अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पण्डित रविशंकर शुक्ल की जयन्ती दिनांक 2 अगस्त 2026 रविवार को क्रमशः प्रातः 11 बजे राजधानी शहर रायपुर के जीईमार्ग के किनारे जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने नगर निगम कॉलोनी उद्यान परिसर में स्थित अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पण्डित रविशंकर शुक्ल की प्रतिमा के समक्ष उनका सादर ससम्मान नमन करने पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। दिनांक 2 अगस्त 2026 रविवार को प्रातः 11 बजे आयोजित अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पण्डित रविशंकर शुक्ल की जयन्ती पर पुष्पांजलि कार्यक्रम में उनके प्रतिमा स्थल और उसके आसपास की विशेष सफाई, स्थल की पुष्पसज्जा सहित अन्य आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्थायें रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में रायपुर नगर पालिक निगम के सम्बंधित जोन क्रमांक 4 के सहयोग से की जावेंगी।

कटघोरा में अटलजी की कांस्य प्रतिमा मानकों के अनुरूप नहीं होने पर उप अभियंता तत्काल प्रभाव से निलंबित

रायपुर,(आरएनएस)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने कोरबा जिले के कटघोरा नगर पालिका में अटल परिसर में स्थापित कांस्य प्रतिमा के मानकों के अनुरूप नहीं होने पर उप अभियंता चन्द्र प्रकाश जायसवाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। नगरीय प्रशासन विभाग ने संचालनालय से आज उनके निलंबन का आदेश जारी किया है।

कटघोरा में अटल परिसर में स्थापित भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा से संबंधित शिकायतों पर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के बिलासपुर क्षेत्रीय कार्यालय के संयुक्त संचालक द्वारा प्रस्तुत जाँच प्रतिवेदन के आधार पर निलंबन की यह कार्रवाई की गई है। जांच प्रतिवेदन में प्रतिमा निर्माण कार्य प्राक्कलन के प्रावधानों के विपरीत होना, विभिन्न भागों से परत उखड़ने, सतत् क्षतिग्रस्त होने तथा कांस्य प्रतिमा मानकों के अनुरूप नहीं होने के कारण निर्माण प्रक्रिया में पदस्थापना के दौरान की गई अनियमितता में उप अभियंता चन्द्र प्रकाश जायसवाल उत्तरदायी पाये गये हैं। उनके इस कृत्य के पदीय कर्तव्यों के विपरीत होने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

केदार कश्यप ने जताया केंद्रीय नेतृत्व और मुख्यमंत्री साय का आभार, बस्तर की रेल परियोजना को मिली नई गति

रायपुर, (आरएनएस)। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने रावघाट जगदलपुर नई रेल लाइन के कुरकनार भानपुरी (पैकेज-1) निर्माण कार्य के लिए लगभग 455.02 करोड़ की EPC निविदा जारी होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का हृदय से आभार व्यक्त किया। मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि यह रेल परियोजना बस्तर के विकास, समृद्धि और नई संभावनाओं का आधार बनेगा। इस परियोजना के आगे बढ़ने से क्षेत्र में रेल संपर्क मजबूत होगा, व्यापार और पर्यटन को नई गति मिलेगी तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सतत प्रयासों और केंद्र सरकार के सकारात्मक सहयोग से बस्तर की वर्षों पुरानी रेल संपर्क की आकांक्षा अब तेजी से साकार हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की प्रतिबद्धता से छत्तीसगढ़ में रेल अवसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है, जिसका सबसे बड़ा लाभ बस्तर अंचल को मिलेगा। मंत्री केदार कश्यप ने विश्वास व्यक्त किया कि रावघाट जगदलपुर रेल परियोजना के पूर्ण होने से बस्तर विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा और क्षेत्र की आर्थिक, सामाजिक तथा औद्योगिक प्रगति को नई दिशा मिलेगी।

कुलगाम आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के मृत श्रमिकों के परिजनों को राज्य सरकार देगी 20-20 लाख रुपये की सहायता राशि

कुलगाम आतंकी हमले के पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है छत्तीसगढ़ सरकार : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर(ए.)। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले में जान गंवाने वाले छत्तीसगढ़ के दो प्रवासी श्रमिकों के परिजनों के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को 20-20 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस कायराना हमले की कड़ी निंदा की है और इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया है।।मुख्यमंत्री साय ने इस जघन्य और अमानवीय आतंकी घटना की कठोर शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना मानवता के विरुद्ध अपराध है और ऐसे कायराना कृत्य किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस दुःख की घड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार शोकाकुल परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता और मजबूती से खड़ी है।

उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार ने सक्ती जिले के रहने वाले दीपक रात्रे और सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के निवासी भूपेंद्र भैना के शोकाकुल परिवारों को 20-20 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का निर्णय लिया है।उन्होंने बताया है कि दिवंगत श्रमिकों के पार्थिव शरीर को उनके गृह ग्राम तक सुरक्षित और ससम्मान वापस लाने के लिए राज्य सरकार द्वारा एक विशेष नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जा रही है। यह अधिकारी जम्मू-कश्मीर के स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर परिजनों को तत्काल हर संभव सहायता पहुंचाना सुनिश्चित करेगा। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी इस घटना पर गहरा दुख जताया है और मुख्यमंत्री राहत कोष से 10-10 लाख रुपये देने की घोषणा की है। यह मदद स्थानीय जिला प्रशासन द्वारा दी जाने वाली 6-6 लाख रुपये की त्वरित सहायता के अतिरिक्त होगी।

रायपुर में ट्रैफिक आरक्षक की सतर्कता से चोरी की बाइक बरामद, ई-चालान डिवाइस से चेसिस नंबर के जरिए मिला मालिक का पता

रायपुर, (आरएनएस)। यातायात व्यवस्था संभालने के साथ रायपुर यातायात पुलिस के जवान कानून-व्यवस्था और आम नागरिकों की सहायता के लिए भी लगातार सक्रिय हैं। इसी क्रम में पचपेड़ी नाका यातायात पुलिस के आरक्षक संदीप कुमार साहू की सतर्कता और सूझबूझ से चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। बिना नंबर प्लेट के खड़ी बाइक की जांच कर पुलिस ने उसके वास्तविक मालिक का पता लगाया और वाहन को संबंधित थाना पुलिस के सुपुर्द किया।

सड़क किनारे खड़ी बिना नंबर की बाइक पर पड़ा ध्यान

ड्यूटी के दौरान आरक्षक संदीप कुमार साहू को डूमतराई सब्जी मंडी के पास सड़क किनारे एक बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल लावारिस हालत में खड़ी दिखाई दी। वाहन संदिग्ध लगने पर उन्होंने तत्काल ई-चालान डिवाइस के जरिए मोटरसाइकिल के चेसिस और इंजन नंबर की जांच की।

तकनीकी सत्यापन के दौरान वाहन का पंजीयन और उसके स्वामी की जानकारी सामने आ गई। इसके बाद आरक्षक ने वाहन मालिक से संपर्क कर मोटरसाइकिल के संबंध में जानकारी ली।

27 जुलाई की रात चोरी हुई थी बाइक

पूछताछ में वाहन मालिक ने बताया कि उसकी पैशन प्रो मोटरसाइकिल (2019 मॉडल) 27 जुलाई 2026 की रात चोरी हो गई थी। मामले में 28 जुलाई को थाना टिकरापारा में अज्ञात चोर के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई गई थी।जानकारी का सत्यापन करने के बाद आरक्षक संदीप कुमार साहू ने तत्काल मोटरसाइकिल को थाना टिकरापारा की पेट्रोलिंग टीम के सुपुर्द कर दिया। अब वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद बाइक उसके वास्तविक मालिक को सौंपने की कार्रवाई की जा रही है।

कटघोरा में अटल प्रतिमा विवादः ब्रॉन्ज की जगह सीमेंट की 0 प्रतिमा लगाने के आरोप, युवा कांग्रेस का अनिश्चितकालीन धरना

कटघोरा, (आरएनएस)। कोरबा जिले की कटघोरा नगर पालिका परिषद में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में निर्मित 'अटल परिसर' और वहां स्थापित प्रतिमा को लेकर विवाद गहरा गया है। प्रतिमा में ब्रॉन्ज (कांस्य) के बजाय सीमेंट और अन्य सामग्री के उपयोग के आरोपों के बाद मामला राजनीतिक तूल पकड़ गया है। विपक्षी नेताओं के हमले के बीच युवा कांग्रेस ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) को हटाने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ शासन की योजना के तहत निकायों में अटल परिसर का निर्माण और कांस्य प्रतिमा स्थापित की जानी थी। कटघोरा में स्थापित प्रतिमा पर हाल ही में हुई बारिश के बाद पेंट उखड़ने लगा, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि प्रतिमा कांस्य की नहीं बल्कि सीमेंट और अन्य घटिया सामग्री से बनाई गई है।

गंदे पानी और खराब भोजन से परेशान एकलव्य विद्यालय के 400 छात्र सड़क पर उतरे, कोरबा-कटघोरा मार्ग रहा जाम

कोरबा,(ए.)। कटघोरा के सलोरा स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय के 400 से अधिक छात्र-छात्राओं ने शनिवार सुबह स्कूल की अव्यवस्थाओं के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। गंदे पानी, खराब गुणवत्ता के भोजन और विद्यालय प्रबंधन के कथित दुर्व्यवहार से परेशान विद्यार्थियों ने विद्यालय के सामने मुख्य मार्ग पर बैठकर प्रदर्शन किया। छात्रों के आंदोलन के कारण कोरबा-कटघोरा मार्ग पर करीब ढाई घंटे तक यातायात बाधित रहा।विद्यार्थियों का आरोप है कि विद्यालय में पीने, नहाने और अन्य उपयोग के लिए दूषित पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे कई छात्रों को त्वचा संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। छात्रों ने भोजन की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें स्तरहीन दाल और सब्जी परोसी जा रही है। वहीं दूध वितरण की व्यवस्था भी सही नहीं है। समय पर वितरण नहीं होने से दूध खराब होकर फेंकना पड़ता है।

महानदी उफान पर, तटवर्ती गांवों में अलर्ट जारी

रायगढ़ , (ए.)। छत्तीसगढ़ प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के बीच गंगरैल बांध के गेट खोल दिये जाने से महानदी का जलस्तर एकाएक बढ़ गया है,जिसके चलते अब तक शांत बह रही महानदी में उफान आते ही उसके तटवर्ती इलाकों में बाढ़ आने का खतरा उत्पन्न हो गया है। रायगढ़ जिले के पुसौर और बरमकेला के आधा दर्जन से अधिक गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। सरिया से लगे पोरथ मंदिर भी चारों तरफ से पानी से घिर गया है।लगातार बढ़ते महानदी के जलस्तर से बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। यही वजह है कि जिला प्रशासन ने भी अलर्ट जारी कर दिया है। महानदी से तट पर बसे पुसौर के गांव लिप्ती, सूरजगढ़, नदीगांव, पोरथ, बोरिदा, रानीडिही, तोरा, ठेंगागुड़ी, मोहंदी, कोर्रा, रेबो, चंघोरी, बाराडोली, परसापाली, खफरापाली, सूरसी तक बाढ़ का पानी पहुंच गया है। महानदी में अचानक पानी बढ़ने से पोरथ का प्राचीन शिव मंदिर जलमग्न हो गया है और लोग इसे देखने के लिए जमा हो रहे हैं। प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि यदि नदी का जलस्तर और बढ़ता है और गांवों में पानी प्रवेश करने की स्थिति बनती है तो प्रशासन के निर्देशों का तत्काल पालन करते हुए सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं। क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण महानदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए हीराकुंड डेम से भारी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार डेम के 12 गेट खोले गए हैं जिसके चलते आने वाले कुछ घंटों में डेम के उपरी क्षेत्रों जिनमें रायगढ़ का सुरजपुर, सरिया क्षेत्र भी आता है, में पानी कम होनें की संभावना जताई जा रही है।

खेल समाचार

कॉमनवेल्थ गेम्सः सोमन राणा-शुभम जुयाल का कमाल, शॉट पुट में भारत ने 'गोल्ड' के साथ 'सिल्वर' भी जीता

ग्लासगो(आरएनएस)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शनिवार को पैरा एथलेटिक्स में भारत ने इतिहास रच दिया। सोमन राणा ने पुरुषों के शॉट पुट एफ57 इवेंट में देश के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता। वहीं, शुभम जुयाल ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों के शॉट पुट एफ57 इवेंट में यह भारत का पहला गोल्ड मेडल था और साथ ही इस इवेंट में देश की पहली 'डबल पोडियम' फिनिश भी थी। सोमन राणा ने अपने दूसरे प्रयास में 13.40 मीटर का विनिंग थ्रो किया, जिसे प्रतियोगिता के बाकी समय में कोई भी प्रतिद्वंद्वी पार नहीं कर सका। वहीं, शुभम ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 13.28 मीटर का थ्रो करते हुए सिल्वर मेडल की स्थिति हासिल की। सेड्रिक इड्रिस लेकेजो अजमदजी ने 12.57 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कैमरून के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता ।सोमन ने 13.38 मीटर के शुरुआती थ्रो के साथ प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत की। इसके बाद अपने दूसरे प्रयास में गोल्ड मेडल दिलाने वाले 13.40 मीटर के थ्रो तक सुधार किया। उनका तीसरा प्रयास फाउल रहा, जबकि शेष थ्रो क्रमशः 13.14 मीटर, 13.17 मीटर और 13.11 मीटर के थे। हालांकि, वे अपने दूसरे राउंड

के प्रयास में सुधार नहीं कर सके, लेकिन पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए यह काफी था।दूसरी ओर, शुभम ने फाइनल के दौरान बेहतरीन निरंतरता दिखाई। उन्होंने 13.08 मीटर से शुरुआत की, उसके बाद 12.42 मीटर का थ्रो किया, और फिर तीसरे राउंड में सुधार करते हुए 13.27 मीटर तक पहुंचे। इसके बाद उन्होंने 13.16 मीटर और 12.88 मीटर का थ्रो किया, और अंत में अपने आखिरी प्रयास में 13.28 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो करके सिल्वर मेडल पक्का किया।सोमन राणा के लिए यह गोल्ड मेडल एक और बड़ी कामयाबी थी, जिन्होंने 2006 में जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना में सेवा के दौरान माइन ब्लास्ट में घायल होने के बाद यह मुकाम हासिल किया। रिहैबिलिटेशन और पैरा-एथलेटिक्स शुरू करने के बाद, दो बार पैरालंपिक में हिस्सा ले चुके सोमन भारत के बेहतरीन एफ57 शॉट पुटर्स में से एक बन गए हैं। सोमन ने कॉमनवेल्थ गेम्स में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीतने से पहले एशियन पैरा गेम्स, वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप और नेशनल प्रतियोगिताओं में भी मेडल जीते हैं।शुभम के लिए सिल्वर मेडल एक शानदार सफर का सुखद अंत था। रुड़की में जन्मे इस एथलीट ने आर्मी ऑफिसर बनने का सपना देखा था, लेकिन साल 2022 में मोटरसाइकिल दुर्घटना में एक पैर गंवाने के बाद यह सपना अधूरा रह गया। रिहैबिलिटेशन के दौरान पैरा-स्पोर्ट्स को चुनते हुए, वह सेना के पैरालंपिक स्पोर्ट्स नोड से जुड़े और एफ57 कैटेगरी में तेजी से आगे बढ़े। कॉमनवेल्थ गेम्स के मंच पर बड़ी सफलता हासिल करने से पहले उन्होंने नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप, खेलो इंडिया पैरा गेम्स और इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स में मेडल जीते।

मुरादाबाद के चाइनामैन गेंदबाज शिवांग कुमार का भारतीय क्रिकेट टीम में चयन

मुरादाबाद, (ए.)।उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद महानगर के सिविल लाइन क्षेत्र स्थित चंदन नगर निवासी चाइनामैन गेंदबाज शिवांग कुमार का चयन भारतीय क्रिकेट टीम में बतौर नेट बॉलर हुआ है। शिवांग आगामी श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया के बल्लेबाजों को अपनी गेंदबाजी से अभ्यास कराएंगे।एमपीएस क्रिकेट एकेडमी के कोच मिर्जा दानिश आलम ने शनिवार को बताया कि भारतीय टीम अगले महीने श्रीलंका दौरे पर जाएगी। जहां दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। पहला टेस्ट 15 और दूसरा 23 अगस्त को होगा। शिवांग कुमार मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) से अंडर-16, अंडर-19, अंडर-23, रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जैसे प्रमुख टूर्नामेंट खेल चुके हैं। इसके अलावा वह आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं।

सीडब्ल्यूजी 2026 : नीरज चोपड़ा ने सिल्वर और यशवीर सिंह ने ब्रॉन्ज जीतकर रचा इतिहास, मुरीद हुए 'गोल्डन बॉय' ने कही ये बड़ी बात

ग्लासगो(ए.)। भारतीय एथलेटिक्स के 'गोल्डन बॉय' नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना डंका बजाया है। फिटनेस की तमाम चुनौतियों और ग्लासगो की कड़ाके की ठंड को मात देते हुए नीरज ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में अपनी शानदार वापसी की है और सिल्वर मेडल पर कब्जा जमा लिया है। इस दमदार जीत के साथ ही उन्होंने इतिहास के पन्नों में अपना नाम स्वर्णाक्षरों में दर्ज करा लिया है। पदक जीतने के बाद नीरज ने सिर्फ अपनी ही नहीं, बल्कि भारतीय जैवलिन थ्रो के भविष्य को लेकर एक ऐसा दिल जीतने वाला बयान दिया है, जिसने हर खेल प्रेमी को गदगद कर दिया है।

सीडब्ल्यूजी इतिहास में ऐसा करने वाले पहले भारतीय

नीरज चोपड़ा अब कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में जैवलिन थ्रो इवेंट के अंदर गोल्ड और सिल्वर, दोनों मेडल जीतने वाले भारत के इकलौते एथलीट बन गए हैं। पिछले लगभग एक साल से चोट और फिटनेस की समस्याओं से जूझ रहे नीरज की यह वापसी बेहद खास रही, जहां उन्होंने अपना सीजन का बेस्ट थ्रो भी किया। नीरज की इस उपलब्धि के साथ ही भारत के लिए खेलों का 9वां दिन काफी शानदार गुजरा और देश के कुल पदकों की संख्या उछलकर 23 तक पहुंच गई है।

'मैं नहीं तो क्या, अब हमारे पास और भी शेर हैं'

सिल्वर जीतने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में नीरज की खुशी इसलिए भी दोगुनी नजर आई, क्योंकि उनके साथ भारत के ही युवा एथलीट यशवीर सिंह ने भी ब्रॉन्ज मेडल जीतकर पोडियम साझा किया। यशवीर सिंह ने अपने आखिरी थ्रो में ऐसा कारनामा किया कि वो अपने पहले ही कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने में कामयाब रहे। नीरज ने यशवीर की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि आज उन्हें एशियन गेम्स की याद आ गई।

एपीएल 2026ः चराइदेव सनराइजर्स ने बरपेटा ब्रेव्स को चार विकेट से हराया

गुवाहाटी (आरएनएस)। प्रद्युन सैकिया की नाबाद 68 रन की शानदार पारी की बदौलत चराइदेव सनराइजर्स ने शनिवार को असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) स्टेडियम में खेले गए असम प्रीमियर लीग (एपीएल) 2026 के पहले मुकाबले में बरपेटा ब्रेव्स को चार

विकेट से हरा दिया।टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी चराइदेव सनराइजर्स ने बरपेटा ब्रेव्स को 20 ओवर में 156/5 के स्कोर पर रोक दिया। शुरुआती झटकों के बाद अभिलाष मौर्य ने 31 गेंदों पर 43 रन बनाकर पारी को संभाला, जबकि अरुण सोनार ने 19 गेंदों पर नाबाद 37 रन की तेज पारी खेली। सौरव मौसुम दिहिंगिया ने 28 रन का योगदान दिया। चराइदेव की ओर से हिमांशु सरस्वत ने दो विकेट लिए।157 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चराइदेव की शुरुआत खराब रही और टीम 14 ओवर में 76/5 के स्कोर पर संघर्ष कर रही थी। ऐसे समय में बल्लेबाज प्रद्युन सैकिया ने जिम्मेदारी संभालते हुए लीग का पहला अर्धशतक जड़ा और 46 गेंदों पर पांच चौकों व तीन छक्कों की मदद से नाबाद 68 रन बनाए।अमलान ज्योति दास ने 22 गेंदों पर 34 रन की उपयोगी पारी खेलकर उनका अच्छा साथ निभाया। इसके बाद मयुख हजारिका ने मात्र आठ गेंदों में नाबाद 17 रन बनाते हुए दो छक्के जड़े। प्रद्युन और मयुख के बीच अटूट 58 रन की साझेदारी ने चराइदेव को 19.1 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

राष्ट्रमंडल खेल : पैरा स्पर्धाओं में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, 7 पदकों के साथ अभियान समाप्त

ग्लासगो(आरएनएस)। राष्ट्रमंडल खेल 2026 की पैरा स्पर्धाओं में भारत ने अपने इतिहास का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अभियान का समापन किया। भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने कुल सात पदक जीते, जिनमें तीन स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं। भारत को सबसे बड़ी सफलता पैरा एथलेटिक्स में मिली, जहां खिलाड़ियों ने छह पदक अपने नाम किए। इनमें तीन स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं। इसके साथ ही भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों में 20 वर्षों बाद पैरा एथलेटिक्स में पदक जीतने का इंतजार भी खत्म किया। वहीं, पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत ने एक कांस्य पदक हासिल किया।भारतीय दल ने इस बार तीन स्पर्धाओं में ऐतिहासिक डबल पोडियम भी दर्ज किए। इनमें महिलाओं की शॉटपुट एफ57, पुरुषों की शॉटपुट एफ57 और पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धाएं शामिल रहीं, जहां दो-दो भारतीय खिलाड़ी एक साथ पदक जीतने में सफल रहे।

अंशुमान हुड्डा की घातक गेंदबाजी, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स को 4 विकेट से हराया

नई दिल्ली, (ए.)। अंशुमान हुड्डा की घातक गेंदबाजी और अनमोल शर्मा की शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे मुकाबले में ईस्ट दिल्ली राइडर्स को 4 विकेट से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में शनिवार को खेले गए इस मुकाबले में साउथ दिल्ली ने 11 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स को 18.1 ओवर में 165 रन पर समेट दिया। टीम की ओर से तेज गेंदबाज अंशुमान हुड्डा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3.1 ओवर में 24 रन देकर पांच विकेट झटके। उन्होंने डेथ ओवरों में दीपक पुनिया, सिमरजीत सिंह, सूर्यांश रैना, मयंक रावत और ध्रुव कौशिक को आउट कर विपक्षी टीम की पारी को लड़खड़ा दिया। ईस्ट दिल्ली की ओर से अर्पित राणा ने सबसे ज्यादा 39 गेंदों पर 66 रन बनाए, जिसमें छह चौके और तीन छक्के शामिल रहे। काव्या गुप्ता ने 22 गेंदों पर 37 रन और ध्रुव कौशिक ने 20 रन का योगदान दिया। एक समय टीम बड़े स्कोर की ओर बढ़ती दिख रही थी, लेकिन हुड्डा की शानदार गेंदबाजी ने मैच का रुख बदल दिया। साउथ दिल्ली की ओर से कप्तान आयुष बडोनी ने दो विकेट, जबकि अमन भारती और अंकित डबास ने एक-एक विकेट लिया। 166 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही लेकिन अनमोल शर्मा ने 36 गेंदों पर 64 रन की बेहतरीन पारी खेलकर टीम को संभाल लिया। उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के लगाए। प्रणव पंत ने 14 गेंदों पर 24 रन बनाए, जबकि कप्तान आयुष बडोनी ने सिर्फ 11 गेंदों में 23 रन की तेज पारी खेलकर रनगति बनाए रखी।ईस्ट दिल्ली ने बीच के ओवरों में वापसी की कोशिश की। आशीष मीणा ने 24 रन देकर दो विकेट और रौनक वाघेला ने 54 रन देकर दो विकेट हासिल किए। हालांकि करण गर्ग ने 28 गेंदों पर नाबाद 27 रन बनाकर पारी को अंत तक संभाले रखा। उन्हें प्रांशु विजयरण (17) और अंकित डबास (नाबाद 6) का साथ मिला। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने 18.1 ओवर में छह विकेट पर 169 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से अपने नाम किया और टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की। अंशुमान हुड्डा को उनकी मैच जिताऊ गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

स्कॉट एडवर्ड्स ने छोड़ी नीदरलैंड्स क्रिकेट टीम की कप्तानी, बास डी लीडे संभालेंगे कमान

नई दिल्ली (ए.)। स्कॉट एडवर्ड्स ने नीदरलैंड्स क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने 56 वनडे इंटरनेशनल मुकाबलों में टीम की कप्तानी की। एडवर्ड्स की जगह पर ऑलराउंडर बास डी लीडे आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 कैंपेन के बाकी मैचों के लिए टीम की कमान संभालेंगे। यूट्रेक्ट में लीग 2 के मैच खत्म होने के बाद, एडवर्ड्स ने अपनी टीम के साथियों को अपने फैसले के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अब लीडरशिप की भूमिका छोड़ने और एक खिलाड़ी के तौर पर बड़ी भूमिका निभाने पर ध्यान देने का सही समय है। रॉयल डच क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा जारी एक वीडियो में एडवर्ड्स ने अपनी टीम के साथियों से कहा, मुझे खेद है कि मैं आप लोगों के सामने यह बात अचानक रख रहा हूं, लेकिन मैं अब से कप्तान का पद छोड़ रहा हूं। मेरा मानना है कि यह एक ऐसा मामला है जिस पर रयान कुक और मैंने बात की है और मैंने कई अन्य लोगों से भी इस बारे में चर्चा की है, और अब मुझे यह सही समय लग रहा है। स्कॉट एडवर्ड्स ने आगे कहा, मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी के तौर पर मेरा योगदान अभी बहुत बाकी है और भविष्य के लिए निश्चित रूप से मेरा यही लक्ष्य है, दोस्तों। मेरा मानना है कि यह एक बहुत ही खास टीम है। दुनिया हमारे लिए खुली है और मैं आगे आने वाले समय को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं नहीं चाहता था कि इसका असर सीरीज पर पड़े, लेकिन अब बस यहीं तक; पिछले चार वर्षों में आप सभी ने मुझ पर और टीम पर जो मेहनत की है, उसके लिए मैं आपका जितना भी शुक्रिया अदा करूं, कम है। यह मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है और मुझे ऑरेंज जर्सी पहनना बहुत पसंद है।

मंत्री विधायक की मौजूदगी में लगा दिया उल्टा सीधा तिरंगा

इतनी भी क्या जल्दी एक तिरंगा सीधा एक उल्टा बना दिया

बनखेड़ी। पिपरिया (निप्र)। तहसील के ग्राम निबोरा जोकि जनपद अध्यक्ष बनखेड़ी का गांव है कृरपा गांव को जोड़ने के लिए ओल् नदी पर जो पुल बनाया गया है उसका लोकार्पण समारोह आज आयोजित किया गया था जिसमें स्कूली शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह क्षेत्रीय विधायक ठाकुरदास नागवंशी भी उपस्थित थे उसमें स्वागत द्वार पर बनाए गए राष्ट्रीय ध्वज में एक उल्टा बना है एक सीधा बना है। जल्दबाजी में तिरंगा का रंग ही नहीं समझ पा रहे है। इतनी भी क्या जल्दी रहती है। यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि नीचे मंत्री विधायक और उनके समर्थक जा रहे हैं उसके ठीक ऊपर स्वागत गेट पर बनाए गए तिरंगे को उल्टा सीधा बनाकर लगाया गया है।

बच्चों का सर्वांगीण विकास ही हमारी प्राथमिकता है' – डॉ. आशीष चटर्जी

रंगारंग कार्यक्रम के साथ हुआ द चैम्प्स फन स्कूल के रजत जयंती समारोह का भव्य आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। द चैम्प्स फन स्कूल के रामायण हॉल में विद्यालय पच्चीस वर्ष के कार्यक्रम में शनिवार को सिल्वर जुबली ईयर सेलिब्रेशन का भव्य शुभारंभ हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, सरस्वती वंदना एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव, वार्ड 18 की पार्षद पूर्व नपा अधक्ष मीना वर्मा, संज्ञा शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष पी.के चटर्जी, निदेशक श्रीमती प्रणोति चटर्जी, स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्राचार्य मोना चटर्जी, डायरेक्टर जूही चटर्जी, प्राचार्य डॉ. आशीष चटर्जी रहे। इस अवसर पर वाइस प्रिंसिपल काकोली रॉय चौहान, स्कूल कोऑर्डिनेटर रीना मालवीय, एकेडमिक कोऑर्डिनेटर स्नेहा शर्मा एवं एडमिन ऑफिसर विनीता जैसलानी सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ, विद्यार्थी उपस्थित रहे। अपने प्रेरणादायी संबोधन में प्राचार्य डॉ. आशीष चटर्जी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा, बच्चों का सर्वांगीण विकास ही हमारी प्राथमिकता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन, नैतिक मूल्य एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता ही हमारे विद्यालय की पहचान है। उन्होंने विद्यालय के सिल्वर जुबली ईयर के शुभारंभ पर सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं विद्यालय परिवार को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि विद्यालय भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करता रहेगा। मुख्य अतिथि नीतू यादव एवं मीना वर्मा ने विद्यालय परिवार को सिल्वर जुबली ईयर की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए विद्यालय की उत्कृष्ट शिक्षण व्यवस्था, अनुशासन एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि द चैम्प्स फन स्कूल बच्चों को केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही नहीं, बल्कि उत्कृष्ट संस्कार, आत्मविश्वास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का भी श्रेष्ठ प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। अतिथियों ने विद्यालय की निरंतर प्रगति की प्रशंसा करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम की विशेष आकर्षण पर्यावरण संरक्षण पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ रहीं।

विद्यार्थियों ने स्वागत गीत, शास्त्रीय नृत्य, पर्यावरण गीत, यू.के.जी. एवं कक्षा द्वितीय के मनमोहक नृत्य, प्रेरक भाषण, पर्यावरण विषय पर आधारित लघु नाटिका तथा आकर्षक फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में नन्हे-मुन्ने बच्चे पृथ्वी, बादल, इंद्रधनुष, जंगल, वृक्ष, फूल एवं प्रकृति के विभिन्न स्वरूपों में मंच पर आए और अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया।पर्यावरण विषय पर आधारित स्किट एवं प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने अधिक से अधिक पेड़ लगाने, प्लास्टिक का उपयोग न करने, जल संरक्षण करने, जल स्रोतों को स्वच्छ रखने तथा पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाए रखने का संदेश दिया। बच्चों ने सामूहिक रूप से प्रकृति की रक्षा करने का संकल्प भी लिया, जिसे उपस्थित सभी अतिथियों ने सराहा।इस अवसर पर आज स्कूल मैदान के सिंथेटिक टर्फ का उद्घाटन किया गया। यह टर्फ बच्चों के शारीरिक विकास हेतु आदर्श मैदान के रूप में जिले का पहला टर्फ है। संचालन स्नेहा राजपूत एवं विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की प्रभारी शिल्पा गौर एवं सुश्नषा तोमर रहीं, जिनके कुशल मार्गदर्शन में संपूर्ण आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।कार्यक्रम में साठ वर्ष की शिक्षा यात्रा हेतु अध्यक्ष पी के चटर्जी का एवं पच्चीस वर्ष के शिक्षा सेवा हेतु निदेशक प्रोनोती चटर्जी का सम्मान शाल श्रीफल से किया गया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को स्मृति-चिह्न एवं पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। द चैम्प्स फन स्कूल के सिल्वर जुबली ईयर सेलिब्रेशन ने विद्यालय की गौरवपूर्ण यात्रा के 25वें वर्ष की शानदार शुरुआत करते हुए शिक्षा, संस्कार एवं पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणादायी संदेश समाज तक पहुँचाया।

छा रही काली घटा रिमझिम बारिश का दौर जारी, फसलों को हो रहा फायदा

नर्मदापुरम। पूरे जिले में रूक-रूक कर रिमझिम बारिश का दौर जारी है। जो खरीफ फसलों के लिए फायदेमंद है। जिले के जागरूक किसान सुदीप पटेल और नरेंद्र पटेल ने बताया कि जिस प्रकार फसलों को पानी की जरूरत है। उसी तरह ही बारिश हो रही है। यह बारिश सबसे अधिक धान के लिए फायदा पहुंचा रही है। इसी प्रकार मौसम अनुकूल रहा तो पैदावार अच्छी होगी। इसके साथ ही मक्का की फसल भी तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि रिमझिम बारिश तो सब्जी की फसल के लिए भी उपयुक्त है। पिछले कुछ दिनों से बारिश नहीं होने से किसानों में निराशा का भाव देखा जा रहा था।

त्योहारी सीजन में खाद्य सुरक्षा विभाग सख्त

दूध एवं दुग्ध उत्पादों के विशेष अभियान में 10 दिनों में 57 नमूने जांच के लिए भेजे

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा विशेष जांच अभियान लगातार जारी है। अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह राणा ने शुक्रवार को ग्वालटोली स्थित यादव डेयरी से दूध एवं मावा के नमूने तथा पाल डेयरी से दो दूध एवं घी का नमूना लेकर जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा।खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा संचालित इस विशेष अभियान के अंतर्गत पिछले 10 दिनों में जिले की विभिन्न डेयरियों एवं दुग्ध उत्पाद प्रतिष्ठानों से दूध एवं दुग्ध उत्पादों के कुल 57 नमूने एकत्रित कर राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे जा चुके हैं। नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने बताया कि आगामी त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए जिले में दूध, मावा, घी सहित अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की नियमित जांच एवं सघन निरीक्षण अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके।

कल निकलेगी 24 वीं श्री जटाशंकर कावड़ यात्रा

2 अगस्त को चुनरी महोत्सव से होगा शुभारंभ

नर्मदापुरम (निप्र)। सावन माह के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर श्री जटाशंकर कावड़ यात्रा अपने 24 वें वर्ष में प्रवेश करने जा रही है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री जटाशंकर कावड़ यात्रा समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाली यह धार्मिक यात्रा 2 अगस्त से प्रारंभ होकर 10 अगस्त तक चलेगी। यात्रा का शुभारंभ रविवार 2 अगस्त को विश्व प्रसिद्ध सेठानी घाट स्थित मां नर्मदा के तट पर शाम 4 बजे चुनरी महोत्सव एवं दीपदान के साथ होगा।

समिति के मीडिया प्रभारी राजेंद्र मालवीय ने बताया कि चुनरी महोत्सव के दौरान मां नर्मदा का पूजन.अर्चन कर उन्हें चुनरी अर्पित की जाएगी तथा श्रद्धालुओं द्वारा दीपदान किया जाएगा। इसके अगले दिन सोमवार 3 अगस्त को सुबह 9 बजे विधिवत पूजा.अर्चना एवं मां नर्मदा के जल का अभिषेक कर कावड़ यात्रा का शुभारंभ किया जाएगा। श्रद्धालु अपने कंधों पर कावड़ में मां नर्मदा का पवित्र जल लेकर पचमढ़ी स्थित भगवान श्री जटाशंकर महादेव के लिए रवाना होंगे।समिति अध्यक्ष सुश्री राजो मालवीय के नेतृत्व में निकलने वाली यह यात्रा वर्षों से धार्मिक आस्था और जनभागीदारी का प्रतीक रही है। यात्रा के दौरान हजारों श्रद्धालु एवं कावड़िये विभिन्न गांवों और

शहरों से शामिल होकर भगवान श्री जटाशंकर महादेव का जलाभिषेक करेंगे और पुण्य लाभ अर्जित करेंगे।

यात्रा का निर्धारित कार्यक्रम इस प्रकार रहेगा

2 अगस्त रविवार शाम 4 बजे सेठानी घाट पर चुनरी महोत्सव एवं दीपदान। 3 अगस्त सोमवार सुबह 9 बजे सेठानी घाट से कावड़ यात्रा का शुभारंभ रात्रि विश्राम आंचलखेड़ा। 4 अगस्त आंचलखेड़ा से सेमरी हरचंद के लिए प्रस्थान। 5 अगस्त सेमरी हरचंद से सुहागपुर के लिए प्रस्थान। 6 अगस्त सुहागपुर से सुबह 9 बजे प्रस्थान रात्रि विश्राम पिपरिया। 7 अगस्त पिपरिया से सुबह 9 बजे प्रस्थान रात्रि विश्राम मटकुली। 8 अगस्त सुबह 8 बजे मटकुली से प्रस्थान रात्रि विश्राम पगारा। 9 अगस्त सुबह 7 बजे पगारा से प्रस्थान रात्रि विश्राम अंबा माई। 10 अगस्त सुबह 7 बजे अंबा माई से प्रस्थान कर पचमढ़ी स्थित श्री जटाशंकर महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान का जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना के साथ यात्रा का विधिवत समापन होगा। समिति ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में यात्रा में शामिल होकर धर्म लाभ प्राप्त करने की अपील की है। सावन माह में आयोजित होने वाली यह कावड़ यात्रा नर्मदापुरम जिले की प्रमुख धार्मिक यात्राओं में शामिल है। जिसमें हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु आस्था और उत्साह के साथ भाग लेते हैं।

मूंग रीसर्कुलेशन रोकने और वास्तविक किसानों के हितों की सुरक्षा के लिए कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जारी किए सख्त निर्देश

पूर्व में मूंग भंडारित वेयरहाउस रहेंगे सील

नर्मदापुरम(निप्र)। मध्यप्रदेश शासन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी उपार्जन नीति के निर्देशानुसार भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत विपणन वर्ष 2026-27 के लिए समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द का उपार्जन 1 जुलाई 2026 से 20 अगस्त 2026 तक किया जा रहा है। जिले में वर्तमान में सोमेश मिश्रा ने महत्वपूर्ण आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार उपार्जन केंद्रों के अतिरिक्त ऐसे सभी वेयरहाउस, जहां पूर्व में मूंग का भंडारण किया गया है, उन्हें उपार्जन अवधि तक सील किया जाएगा। उपार्जन अवधि के दौरान किसी भी वेयरहाउस अथवा भंडारण केंद्र से मूंग की निकासी केवल संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी की लिखित अनुमति से ही की जा सकेगी। निकासी अधिकृत अधिकारी की उपस्थिति में कराई जाएगी तथा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उक्त मूंग किसी भी स्थिति में समर्थन मूल्य उपार्जन केंद्र पर विक्रय के लिए न पहुंचे। कलेक्टर द्वारा सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारियों को अपने-अपने अनुभाग की कृषि उपज मंडियों के लिए राजस्व विभाग, मंडी समिति एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों का संयुक्त जांच दल गठित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह दल तत्काल प्रभाव से मंडी क्षेत्र के सभी मूंग व्यापारियों, मिलर्स एवं स्टॉक होल्डर्स के गोदामों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर उपलब्ध मूंग के स्टॉक का शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन करेगा। जांच के दौरान व्यापारियों के पास उपलब्ध स्टॉक का मिलान मंडी की आवक-जावक पंजी, मंडी गेट पास तथा क्रय-विक्रय बिलों से अनिवार्य रूप से किया जाएगा। साथ ही मंडी सचिव प्रतिदिन मूंग की आवक एवं व्यापारियों के स्टॉक की रिपोर्ट संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं जिला कार्यालय को उपलब्ध कराएंगे।

प्राकृतिक सौंदर्य, संस्कृति और पुरातत्व की अनमोल धरोहर बन रहा नर्मदापुरम

मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड एवं जिला प्रशासन के सतत प्रयासों से पर्यटन मानचित्र पर तेजी से उभर रहा जिला

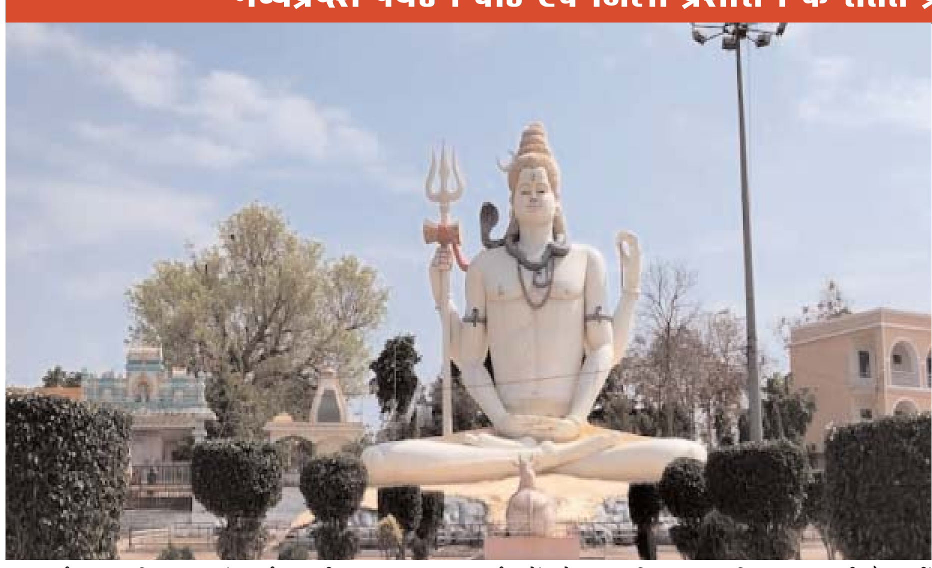

नर्मदापुरम(निप्र)। मां नर्मदा की पावन धारा, सतपुड़ा की हरित वादियां, प्राचीन पुरातात्विक धरोहरें, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और रोमांच से भरपूर प्राकृतिक पर्यटन स्थलों के कारण नर्मदापुरम आज मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन जिलों में अपनी सशक्त पहचान बना रहा है। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड एवं जिला प्रशासन के समन्वित प्रयासों से जिले में पर्यटन विकास को नई दिशा और गति मिली है। पर्यटन अवसंरचना के विकास, नए पर्यटन स्थलों की पहचान, साहसिक, ग्रामीण, धार्मिक एवं ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के साथ-साथ जिले की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

नर्मदापुरम की पहचान मां नर्मदा के पवित्र तट से जुड़ी हुई है। शहर का ऐतिहासिक सेठानी घाट देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां प्रतिदिन होने वाली भव्य मां नर्मदा आरती श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करती है। वहीं बांद्राभान में नर्मदा और तवा नदियों का पावन संगम धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक पर्यटन का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। जिले की सबसे बड़ी पहचान विश्व प्रसिद्ध पचमढ़ी है, जिसे सतपुड़ा की रानी के नाम से जाना जाता है। यहां के मनोरम झरने, प्राचीन गुफाएं, घने जंगल, घाटियां और प्राकृतिक सौंदर्य वर्षभर देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। वहीं मढ़ई स्थित सतपुड़ा टाइगर रिजर्व वन्यजीव प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है, जहां जंगल सफारी के दौरान बाघ, तेंदुआ, भालू, गौर, सांभर सहित अनेक वन्यजीव प्राकृतिक परिवेश में देखने को मिलते हैं।

तवा बांध एवं उसका विशाल जलाशय नौकायन, प्रकृति पर्यटन और पक्षी अवलोकन के लिए लोकप्रिय स्थल बन चुका है। जिले के अनेक जलप्रपात, वन क्षेत्र, ट्रैकिंग रूट और प्राकृतिक स्थल एडवेंचर पर्यटन की अपार संभावनाएं समेटे हुए हैं। जिला प्रशासन एवं मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा ऐसे नए पर्यटन स्थलों का विकास किया जा रहा है, जिससे स्थानीय युवाओं एवं ग्रामीणों को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं।एक जिला-एक उत्पाद (ODOP) योजना के अंतर्गत नर्मदापुरम जिले में पर्यटन को शामिल किया गया है। इसके माध्यम से पर्यटन को स्थानीय अर्थव्यवस्था, हस्तशिल्प, संस्कृति और रोजगार से जोड़ने की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है। होमस्टे, ग्रामीण पर्यटन, ईको-टूरिज्म, एडवेंचर पर्यटन, धार्मिक पर्यटन तथा स्थानीय उत्पादों और लोक संस्कृति को बढ़ावा देकर पर्यटकों को विविध अनुभव उपलब्ध कराए जा रहे हैं।पिछले कुछ वर्षों में जिले में पचमढ़ी मानसून मैराथन, पर्यटन क्विज, ट्रेकिंग अभियान, महिला सुरक्षित पर्यटन कार्यक्रम, एस्ट्रो टूरिज्म, ग्रामीण पर्यटन, होमस्टे विकास, बांस शिल्प एवं स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने जैसी अनेक नवाचारपूर्ण पहलें की गई हैं। इन प्रयासों से नर्मदापुरम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर तेजी से अपनी अलग पहचान स्थापित कर रहा है। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक इलैया राजा टी. ने कहा कि मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक जिले की विशिष्ट प्राकृतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को पर्यटन के माध्यम से नई पहचान दिलाना है। नर्मदापुरम में प्रकृति, वन्यजीव, धार्मिक आस्था, साहसिक पर्यटन और ग्रामीण जीवन का अनूठा संगम है। पर्यटन के माध्यम से स्थानीय समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना, रोजगार के अवसर बढ़ाना और सतत एवं जिम्मेदार पर्यटन को प्रोत्साहित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। नर्मदापुरम में चल रही विभिन्न पर्यटन परियोजनाएं भविष्य में इसे देश के प्रमुख पर्यटन गंतव्यों में स्थापित करेंगी। जिला पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर ने बताया कि नर्मदापुरम प्राकृतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और पुरातात्विक पर्यटन का अद्भुत संगम है।

मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड एवं जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिले में पर्यटन को स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार और जनसहभागिता से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। होमस्टे, ग्रामीण पर्यटन, एडवेंचर पर्यटन, एस्ट्रो टूरिज्म, पर्यटन क्विज, ट्रेकिंग एवं स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने जैसी पहलें जिले की नई पहचान बन रही हैं। हमारा प्रयास है कि नर्मदापुरम आने वाले वर्षों में देश के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गंतव्यों में अपनी मजबूत पहचान स्थापित करे।

जिला प्रशासन एवं मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड का उद्देश्य नर्मदापुरम को केवल एक पर्यटन स्थल के रूप में नहीं, बल्कि प्रकृति, संस्कृति, इतिहास, पुरातत्व और आध्यात्मिक अनुभवों से परिपूर्ण एक समग्र पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करना है। निरंतर हो रहे विकास कार्यों, नई पर्यटन परियोजनाओं और स्थानीय जनसहभागिता के बल पर नर्मदापुरम मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के प्रमुख पर्यटन जिलों में अग्रणी स्थान प्राप्त करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com